नई दिल्ली। गुरुवार, 20 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थी संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 225 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ प्रदेश बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिपः ध्रुव-तनिषा ...
@ विचार आखिर क्या है दिमागी नक्सलवाद...
@ व्यापार सेंसेक्स 325 अंक लुढ़का ...

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप : भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से धूल चटाई

एजेंसी ■ एम्सटेलवीन

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा।

दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा।

इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया।

इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

संक्षिप्त खबर

देश में अराजकता पैदा करने की सोच रखने वाले नेताओं का समर्थन नहीं होना चाहिए : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, मुझे लगता है कि उनके बर्ताव में सुधार हो सकता है, अगर राहुल गांधी इस पूरे मामले पर गंभीरता से विचार करें। रिजिजू ने कहा कि देश में ऐसे नेताओं का समर्थन नहीं होना चाहिए, जो अराजकता पैदा करने की सोच रखते हैं। आईएएनएस से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि कोई भी नेता हो, चाहे वो कांग्रेस के नेता हों या कोई भी हों, अगर संविधान के खिलाफ है और देश में अराजकता पैदा करता है, तो उसका समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से हमारी मुलाकात हुई और फोन पर बात भी हुई। वैसे तो मैं उनको बहुत सम्मान देता हूं, इज्जत देता हूं क्योंकि वो नेता प्रतिपक्ष हैं, बड़े नेता हैं।

शेख हसीना खुद लौटना चाहती हैं : पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी

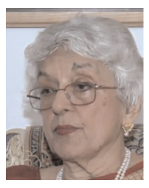

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर अनिश्चितता के बीच ढाका की तरफ से जारी एक प्रेस नोट ने विवाद खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि शेख हसीना खुद दिसंबर में अपने देश लौटना चाहती हैं, लेकिन तारिक रहमान सरकार चाहती है कि भारत उनका प्रत्यर्पण करे। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं।

टेस्ट में 'नंबर-1' बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक

दुबई। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक एक बार फिर आईसीसी मेंस टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्रूक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। ब्रूक ने चौथी बार यह शीर्ष स्थान अपने नाम किया है। वह पहली बार दिसंबर 2024 में बतौर बल्लेबाज टेस्ट के बादशाह बने थे। ट्रेविस हेड तीन स्थान नीचे फिसलकर चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनकी रैंकिंग में गिरावट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में सिर्फ 22 और 17 रन की पारियां खेलने के बाद आई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस मुकाबले में उलटफेर का शिकार होकर 9 विकेट से मैच गंवाना पड़ा था। जो रूट (दूसरे) और स्टीव स्मिथ (तीसरे) भी हेड से आगे निकल गए हैं।

चंदा चोरी पर देशभर में प्रदर्शन का प्लान

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में लिया गया फैसला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में वंदे मातरम को लेकर पार्टी ने अपना पुराना रुख साफ कर दिया। कांग्रेस ने 1937 के फैसले को बरकरार रखते हुए तय किया कि पार्टी के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत के सिर्फ पहले दो पद ही गाए जाएंगे। वहीं, बैठक में राम मंदिर चंदे के मुद्दे को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ और इसे देशभर में जमीनी स्तर तक ले जाने की रणनीति तय की गई।

1937 में कांग्रेस ने क्या फैसला लिया था?

सूत्रों के मुताबिक, CWC की बैठक में वंदे मातरम के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस दौरान कई नेताओं ने 1937 में अपनाए गए पार्टी के रुख को दोहराया। कांग्रेस के अनुसार, उसका फैसला अक्तूबर 1937 में CWC की ओर से पारित प्रस्ताव पर आधारित है। उस समय पार्टी ने राष्ट्रीय सभाओं में वंदे मातरम के सिर्फ पहले दो पद गाने का निर्णय लिया था।

राम मंदिर चंदे के मुद्दे पर क्या फैसला हुआ?

सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने राम मंदिर से जुड़े 'चंदा चोरी' के मुद्दे को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का इस्तेमाल लोगों को ध्रुवीकृत करने वाले लोग अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। वेणुगोपाल के मुताबिक, कांग्रेस इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाएगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस समितियों को गांव और पंचायत स्तर पर इसे उठाने का निर्देश दिया गया है।

कैबिनेट की चार मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

410 किमी रेल नेटवर्क बढ़ेगा, 6,448 गांवों को मिलेगा लाभ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि इससे आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि कैबिनेट ने चार मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और लाखों लोगों को फायदा होगा। इन प्रोजेक्ट्स के कई फायदे होंगे, जैसे- यात्री और

माल ढुलाई को मजबूत करना, भीड़-भाड़ कम करना, लॉजिस्टिक्स की बेहतर क्षमता और बेहतर कनेक्टिविटी, व्यापार और पर्यटन।

इन परियोजनाओं में खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन - 173 किमी (पश्चिम बंगाल और ओडिशा), भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन - 75 किमी (ओडिशा), गुम्मिडिपूंडी-गुडूर तीसरी और चौथी लाइन - 90 किमी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु), और कटक-पारादीप (बडाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइन - 72 किमी (ओडिशा) शामिल है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन के सुव्यवस्थित होने और भीड़भाड़ में कमी आने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

जम्मू-कश्मीर भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' : अमेरिकी राजदूत

एजेंसी ■ श्रीनगर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के अपने पहले दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका केंद्र शासित प्रदेश के लिए जारी यात्रा संबंधी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बुधवार को श्रीनगर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'यहां आकर खुशी हुई। अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी अपनी यात्रा संबंधी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। यह भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।'

गोर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने क्षेत्र की खूबसूरती की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद खूबसूरत जगह है। मैं यहां आकर और इस जगह को देखकर बहुत उत्साहित हूं। हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। कुछ मुद्दों पर आगे भी काम किया जाना है, जिन्हें हम वाशिंगटन और दिल्ली

तक ले जाने की उम्मीद करते हैं।'

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में उनका गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण स्वागत हुआ है तथा अमेरिका भविष्य में इस संबंध को और मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहता है। गोर बुधवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। यह अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर का दौरा करने वाले किसी अमेरिकी राजदूत की पहली यात्रा है। इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि वह अमेरिकी राजदूत के साथ क्षेत्र की स्थिति पर चर्चा करेंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया था कि केंद्र शासित प्रदेश के आंतरिक मुद्दों को अमेरिकी प्रतिनिधि के समक्ष उठाने का सवाल नहीं है, क्योंकि इन मुद्दों का समाधान केंद्र सरकार के स्तर पर ही किया जा सकता है।

राजद का लोक भवन मार्च, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी ■ पटना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बुधवार को पटना में हुए लोक भवन मार्च के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन पहुंचकर छात्रों, युवाओं, रोजगार और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में सीवान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर एके-47 से गोली चलाए जाने के आरोपों की जांच से लेकर सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर समयबद्ध नियुक्ति और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की गई है। राजद की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि बिहार के छात्र और युवा शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और अपने भविष्य से जुड़े गंभीर सवालों से जूझ रहे हैं। परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, प्रश्नपत्र और परीक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी तथा बढ़ती बेरोजगारी का

भी ज्ञापन में उल्लेख किया गया है।

राजद ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के साथ किसी भी तरह का अनुचित व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। ज्ञापन में सीवान में छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान एके-47 के इस्तेमाल और गोली चलाए जाने के आरोपों से संबंधित आदेश की जांच कराने तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। राजद ने जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने और दोष सिद्ध होने पर कड़ी कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने गर्दनीबाग में धरने पर बैठे छात्रों और युवाओं की मांगों का तत्काल समाधान करने की भी मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार को प्रदर्शनकारियों के साथ सार्थक संवाद स्थापित करना चाहिए और उनकी जायज मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए। राजद ने परीक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई मांगें रखी हैं।

22 परीक्षाएं रद्द होने पर छात्रों का आंदोलन खत्म

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ 26 दिनों से चल रहा छात्रों का आंदोलन बुधवार को समाप्त हो गया। आंदोलन समाप्त करने की औपचारिक घोषणा शाम चार बजे की जाएगी। इसके बाद शाम छह बजे छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से आभार यात्रा निकालेंगे। झारखंड सरकार की ओर से जेपीएससी सिविल सर्विस और जेएसएससी-सीजीएल सहित कुल 22 परीक्षाओं को रद्द करने और कुल 45 परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच की अधिसूचना जारी होने के बाद छात्रों ने यह फैसला लिया है। छात्रों का कहना है कि सरकार ने गड़बड़ियों की व्यापक जांच का भरोसा दिया है और इसी भरोसे के आधार पर फिलहाल आंदोलन समाप्त करने का फैसला लिया गया है। आंदोलनकारी छात्रों ने कहा कि अब उनकी नजर जांच की प्रक्रिया पर रहेगी। उन्होंने सरकार को जांच के लिए 60 दिनों का समय देने का फैसला किया है। छात्रों ने स्पष्ट किया कि यदि इस अवधि में जांच निष्पक्ष और सही तरीके से नहीं हुई या किसी तरह की लापरवाही सामने आई, तो वे दोबारा आंदोलन शुरू करेंगे।

तीर तेवर — सागर कुमार

भारत-बांग्लादेशः पाकिस्तान को मौका न दे भारत

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

नई दिल्ली ■

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां एक गलत कूटनीतिक कदम वर्षों की रणनीतिक उपलब्धियों को कमजोर कर सकता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने और भारत आने के बाद शुरू हुआ अविश्वास अब नई सरकार के दौर में भी खत्म नहीं हुआ है। इसके उलट, शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा अब दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की सबसे बड़ी बाधा बन गया है।

फरवरी 2026 में सत्ता में आए BNP नेता तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार भारत के साथ संबंध सुधारने की जरूरत को समझती है, लेकिन ढाका ने अब प्रधानमंत्री की संभावित भारत यात्रा को हसीना के प्रत्यर्पण और बेहतर कूटनीतिक माहौल से जोड़ दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने 16 अगस्त को कहा कि यात्रा के लिए 'अनुकूल माहौल' जरूरी है और उसने भारत से हसीना तथा अन्य आरोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज करने को कहा है।

यह स्थिति तब और संवेदनशील हो गई जब हसीना ने भारत से ऑनलाइन संबोधन में दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने का संकल्प जताया। ढाका ने इसे अपनी संप्रभुता के लिए चुनौती के रूप में देखा। हसीना को 2025 में बांग्लादेश की अदालत ने 2024 के आंदोलन के दौरान हिंसक कार्रवाई के मामले में उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी, जिसे हसीना राजनीतिक रूप से प्रेरित बताती हैं। भारत ने प्रत्यर्पण अनुरोध मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह अपने कानूनी ढांचे के तहत इस मामले की समीक्षा कर रहा है।

समस्या हसीना से कहीं बड़ी है

भारत-बांग्लादेश तनाव को केवल हसीना प्रकरण मानना रणनीतिक भूल होगी। सीमा प्रबंधन, सीमा पर होने वाली मौतें, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, व्यापार असंतुलन, तीस्ता जल विवाद और दोनों देशों में एक-दूसरे के प्रति बढ़ती राजनीतिक धारणा भी रिश्तों को प्रभावित कर रही है।

हालांकि एक सकारात्मक संकेत भी सामने आया है। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री ने हाल में कहा कि ढाका तीस्ता विवाद को भारत के साथ व्यापक संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाला मुद्दा नहीं बनाना चाहता। यह बताता है कि दोनों पक्षों के पास संवाद के लिए अभी पर्याप्त गुंजाइश मौजूद है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह बांग्लादेश की वर्तमान सरकार को उसके पूर्ववर्ती राजनीतिक नेतृत्व से अलग करके देखे। नई दिल्ली को यह धारणा समाप्त करनी होगी कि भारत किसी खास दल या नेता का समर्थक है। BNP सरकार के साथ उच्चतम राजनीतिक स्तर पर सीधा संवाद इस दिशा में पहला कदम होना चाहिए।

पाकिस्तान क्यों बेचैन है?

भारत-बांग्लादेश के बीच पैदा हुई दूरी पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक अवसर है। 1971 के बाद लंबे समय तक बेहद सीमित रहे ढाका-इस्लामाबाद संबंधों में पिछले दो वर्षों में सुधार आया है। दूसरी ओर चीन ने भी बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक संपर्क काफी बढ़ाया है। जून 2026 में तारिक रहमान की चीन यात्रा के बाद दोनों देशों ने अपने संबंधों को एक नए दौर में ले जाने की बात कही है । भारत को इस बदलते समीकरण को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान यदि बांग्लादेश में रणनीतिक प्रभाव बढ़ाता है और चीन आर्थिक बुनियादी ढांचे के जरिए अपनी मौजूदगी मजबूत करता है, तो भारत की पूर्वी सीमा पर एक नई भू-राजनीतिक चुनौती खड़ी हो सकती है।

भारत को क्या करना चाहिए?

भारत को तीन स्तरों पर तत्काल पहल करनी चाहिए।

पहला—राजनीतिक संवाद। प्रधानमंत्री मोदी और तारिक रहमान के बीच सीधी बातचीत होनी चाहिए। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने भी स्पष्ट कहा है कि मौजूदा मतभेदों का समाधान बातचीत से ही संभव है और उन्होंने तारिक रहमान की भारत यात्रा की उम्मीद जताई है।

दूसरा—हसीना मामले को द्विपक्षीय रिश्तों का बंधक न बनने दिया जाए। भारत को कानून के अनुसार निर्णय लेना चाहिए, लेकिन ढाका के साथ यह स्पष्ट संवाद भी रखना चाहिए कि प्रत्यर्पण एक कानूनी प्रक्रिया है, राजनीतिक सौदेबाजी का विषय नहीं।

तीसरा—आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को फिर सक्रिय करना। बिजली, ऊर्जा, रेल, सड़क, जलमार्ग, सीमा व्यापार और पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाना दोनों देशों के हित में है। भारत को बांग्लादेश को केवल सुरक्षा के नजरिए से नहीं, बल्कि एक बड़े आर्थिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना होगा।

दक्षिण एशिया में भारत सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए उसे यह साबित करना होगा कि बड़ी शक्ति होने का अर्थ केवल अपने हितों की रक्षा करना नहीं, बल्कि पड़ोसी को भरोसा देना भी है।

सीएनजी पंप पर ट्रक में ब्लास्ट, 3 मौत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रक के सीएनजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक अन्य घायल व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतकों में सभी लोग फ्यूल स्टेशन के कर्मचारी बताए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बाहरी दिल्ली के टिकरी कलां मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक फ्यूल स्टेशन पर बुधवार को ट्रक में सीएनजी भरने के दौरान उसका सिलेंडर फट गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस हादसे में छह लोग घायल हुए। मृतकों में एक की पहचान 25 वर्षीय मनीष के रूप में हुई है, जो पश्चिमी दिल्ली के बाबा हरिदास कॉलोनी का रहने वाला था। दूसरे मृतक की पहचान 32 वर्षीय सनी निजामपुर के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। हालांकि, पुलिस ने पुष्टि की है कि तीनों मृतक सीएनजी पंप के कर्मचारी थे।

अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक के सीएनजी सिलेंडर में गैस भरा जा रहा था। आशंका जताई गई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के अनुसार, उसे दोपहर 3 बजकर 37 मिनट पर विस्फोट की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की छह गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

घायल छह लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय वे आसपास खड़े थे और इसकी चपेट में आने से घायल हो गए। डीएफएस ने बताया कि

विस्फोट की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की बड़ी टीम मौके पर पहुंच गई। इसके बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फायर सर्विस के एक अधिकारी ने कहा, 'विस्फोट किन कारणों से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए। जांच जारी रहने तक लोगों से क्षेत्र से दूर रहने की अपील की गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

कर्नाटक भाजपा विधायकों ने मंत्री नागेंद्र को हटाने की मांग को लेकर विधान सौधा में विरोध प्रदर्शन किया

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा विधायकों ने बुधवार को विधान सौधा में योजना और सांख्यिकी मंत्री बी. नागेंद्र को वाल्मीकि कॉर्पोरेशन घोटाले के आरोपों के चलते हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई. विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में विधान सौधा में केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा के पास किया गया। भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए और नागेंद्र के इस्तीफे की मांग करते हुए पोस्टर और प्लेकार्ड दिखाए।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि अगर राज्य सरकार में थोड़ी भी 'इज्जत और गरिमा' है, तो उसे तुरंत नागेंद्र का इस्तीफा लेना चाहिए और विधानसभा को काम करने देना चाहिए ताकि सूखे, कथित केपीएससी घोटाले और राज्य के सामने मौजूद अन्य समस्याओं जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हो सके।

विजयेंद्र ने कहा कि भ्रष्टाचार को जाति का रंग देने की साजिश न रचें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को दलित और आदिवासी समुदायों पर हमले के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पिछले दो दिनों से सभी जिला मुख्यालयों में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालयों के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा तथा जेडीएस मिलकर विधानसभा के अंदर नागेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध कर रहे हैं।

आजम खान पर ईडी की कार्रवाई कानून के तहत, एनडीए गठबंधन मजबूत: विजय लक्ष्मी गौतम

विश्व केसरी

लखनऊ। यूपी सरकार में मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने आजम खान के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर की गई टिप्पणी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे, मंदिरों को लेकर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी और बसपा प्रमुख मायावती द्वारा सतीश चंद्र मिश्रा को जिम्मेदारियां सौंपे जाने समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का एनडीए गठबंधन मजबूत है और पार्टी अपने राजनीतिक फैसले गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर करेगी। भाजपा के सहयोगी दलों को लेकर अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि उन्हें भाजपा और उसके गठबंधन के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। एनडीए का

गठबंधन मजबूत है और सभी सहयोगी दल मिल-बैठकर सीटों के बंटवारे समेत अन्य मुद्दों पर फैसला करेंगे। सपा-कांग्रेस गठबंधन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपने गठबंधन की चिंता करनी चाहिए। कांग्रेस की ओर से सीटों में बड़ी हिस्सेदारी की मांग की जा रही है और ऐसे में समाजवादी पार्टी के सामने गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चुनौती होगी। भाजपा अपने गठबंधन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और सहयोगी दलों के बीच बातचीत के जरिए सभी विषयों का समाधान कर लिया जाएगा। पीडीए के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि भाजपा लंबे समय से पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के साथ काम कर रही है।

सीएम पटेल और गुजरात प्रतिनिधिमंडल ने माइक्रोन तथा गूगल का किया दौरा

विश्व केसरी

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में वाइब्रेंट गुजरात समिट-2027 के संदर्भ में यूएस की यात्रा पर गए गुजरात प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अपनी यात्रा के तीसरे दिन माइक्रोन तथा गूगल का दौरा किया। मुख्यमंत्री के साथ पर्प्लेक्सिटी एआई के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने वन-टू-वन बैठक की तथा सिलिकॉन वैली के द इंडस एंटरप्रेन्योर्स टीआईई के सदस्यों के साथ भी बैठक आयोजित हुई। माइक्रोन के चेयरमैन संजय मेहरोत्रा ने सीएम भूपेंद्र पटेल द्वारा माइक्रोन की साणंद फैसिलिटी के लिए 20 एकड़ भूमि की एक दिन में ही दी गई मंजूरी के लिए आभार व्यक्त किया। माइक्रोन यूनिट का सफल व्यावसायिक उत्पादन शीघ्र शुरू हो सके, इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार के प्रो-एक्टिव दृष्टिकोण की भी सराहना की। सीएम भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फरवरी 2026 में साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी का शुभारंभ किए जाने की स्मृति को ताजा किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजनरी नेतृत्व में गुजरात के साणंद तथा धोलेरा सेमीकंडक्टर फैसिलिटी प्लांट के प्रमुख केंद्रों के रूप में स्थापित हो रहे हैं। गुजरात प्रतिनिधिमंडल ने गूगल का दौरा कर वहां की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरे के दौरान गूगल के वाइस प्रेसिडेंट चंदू थोटा ने विशेष रूप से युवा कौशल, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एआई प्रशिक्षण तथा कृषि में क्रॉप पैटर्न, क्लाइमेट एंड सॉइल के लिए एआई के उपयोग के क्षेत्रों में गुजरात के साथ काम करने में उत्सुकता दर्शाई।

इतना ही नहीं, उन्होंने डेटा सिक्योरिटी के लिए गूगल वर्कस्पेस सॉवरेन एआई के उपयोग के विषय में भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल व गुजरात प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने पर्प्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास के साथ जो वन-टू-वन बैठक आयोजित की, उसमें चर्चाओं के दौरान गुजरात में इंजीनियरिंग तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए पर्प्लेक्सिटी की उपस्थिति स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। अरविंद श्रीनिवास ने गुजरात में डेटा सेंटर सेटअप या डेवलपर एवं पर्प्लेक्सिटी के बीच हाइब्रिड सेटअप की दिशा में भी रुचि दिखाई। इसके अलावा, द इंडस एंटरप्रेन्योर्स टीआईई के सदस्यों के साथ भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की एक बैठक का आयोजन किया गया। सिंधु क्षेत्र मूल के सफल उद्यमियों, कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव्स और वरिष्ठ प्रोफेशनल्स के समूह द्वारा 1992 में सिलिकॉन वैली में द इंडस एंटरप्रेन्योर्स टीआईई की स्थापना की गई है। टीआईई के सदस्यों ने गुजरात में स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और विभिन्न एआई टूल्स के माध्यम से यूथ स्किलिंग के क्षेत्रों में आगे बढ़ने में रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ इन बैठकों में मुख्य सचिव एमके दास और राज्य सरकार के वरिष्ठ सचिवों एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी सहभागी हुए।

कर्नाटक विधानसभा के दोनों सदनों ने पूर्व शिक्षा मंत्री नागेश को दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के दोनों सदनों ने बुधवार को पूर्व शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीसी नागेश के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर और भाजपा नेताओं ने पूर्व मंत्री के साथ अपने लंबे जुड़ाव और दोस्ती को याद किया और उनके योगदान की सराहना की। पूर्व मंत्री नागेश (65) का मंगलवार को बेंगलुरु में अपनी बेटी के घर पर कुछ समय की बीमारी के बाद निधन हो गया। तिप्तूर से दो बार विधायक रहे नागेश, बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में 2021 से 2023 के बीच स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री थे। उनके पार्थिव शरीर को लोगों के अंतिम दर्शन के लिए भाजपा के राज्य कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में रखा गया था। अंतिम संस्कार तिप्तूर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पूर्व मंत्री नागेश ने शिक्षा के क्षेत्र में मंत्री के तौर पर अच्छा काम किया। वह एक ईमानदार व्यक्ति थे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने आज यहां पूर्व मंत्री बीसी नागेश के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने याद करते हुए कहा कि नागेश ने शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन लाने के लिए बहुत प्रयास किए। जब भी मैं नोनाविनाकेरे जाता था, तो वह नोनाविनाकेरे मठ के सभी कार्यक्रमों में मेरे साथ शामिल होते थे।

मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग देने की पहल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने की समीक्षा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की पहल के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में देशभर के विद्यार्थियों के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ऑनलाइन मंच तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन

और व्यवस्थित तरीके से परीक्षा की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की बात कही थी। दरअसल, महंगी कोचिंग कक्षाओं का खर्च गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी पड़ता है। ऐसे में सरकार डिजिटल सार्वजनिक ढांचे और देश के प्रतिभाशाली शिक्षकों को एक मंच पर लाकर युवाओं को मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेगी।

सरकार की इस पहल का प्रमुख उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आर्थिक असमानता को कम करना और देश के हर हिस्से के विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। फिलहाल, अनेक विद्यार्थी महंगी निजी कोचिंग के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कठिनाई महसूस करते हैं। नई व्यवस्था के जरिए ऐसे विद्यार्थियों को घर बैठे गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। शिक्षा मंत्री की बैठक में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया गया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय मंच केवल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों को व्यवस्थित अध्ययन योजना, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और परीक्षा-केंद्रित तैयारी की सुविधा भी दे। प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा था कि देश के पास डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और उत्कृष्ट प्रतिभाशाली शिक्षक मौजूद हैं। इन संसाधनों को एक साथ जोड़कर युवाओं के लिए मुफ्त कोचिंग का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। सरकार की यह पहल डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पहुंच बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने जनगणना में शिक्षकों की ड्यूटी पर फैसला सुरक्षित रखा

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को हाल ही में शुरू हुए जनगणना के काम में लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल-जज बेंच में पूरी हुई। हालांकि, जस्टिस कृष्णा राव की सिंगल-जज बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई बुधवार को जस्टिस राव की एक टिप्पणी के साथ पूरी हुई, जिसमें उन्होंने शिक्षकों को एक ही समय में पढ़ाने और जनगणना का काम—दोनों काम सौंपने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया।

उनके अनुसार, शिक्षकों का मुख्य काम पढ़ाना है और उनसे या तो जनगणना का काम लिया जाना चाहिए या फिर पढ़ाने का काम। इसी बीच, बुधवार को पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के गृह विभाग से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को जनगणना के काम में लगाने के बावजूद छात्रों के हितों की रक्षा की जाए। हालांकि, इस बात को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अलग-अलग शिक्षक संगठनों ने दावा किया है कि अगर जिन स्कूलों में पहले से ही शिक्षकों की कमी है, वहां के शिक्षकों को जनगणना के काम में लगाया जाता है, तो उन स्कूलों में पढ़ाई-लिखाई का काम जरूर प्रभावित होगा। बुधवार को राज्य सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट को बताया कि वह 3 अगस्त के उस नोटिफिकेशन को वापस ले रही है, जिसमें सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से स्कूल के समय के बाद जनगणना का काम करने के लिए कहा गया था।

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली की भोजीपुरा पुलिस ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसी को लेकर जानकारी देते हुए एसपी नॉर्थ बरेली मुकेश मिश्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि बुधवार को भोजीपुरा थाने की पुलिस टीम द्वारा फर्जी तरीके से कूटरचित आयुष्मान कार्ड बनाने, पैसे ऐंठने और आयुष्मान योजना के धन को अवैध रूप से प्राप्त कर राज्य सरकार को चूना लगाने वाले गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 13 कूटरचित आयुष्मान कार्ड, 6 कूटरचित आधार कार्ड, 22 कूटरचित छायाप्रति राशन कार्ड और 2,700 रुपए कैश बरामद किए गए

हैं। गिरफ्तार किए गए पांचों अभियुक्तों की पहचान आबिद, सलमान थाना अफरोज (निवासीगण थाना क्षेत्र भोजीपुरा), अरमान (निवासी थाना क्षेत्र इज्जतनगर) तथा देशरतन (निवासी थाना क्षेत्र देवनिया) के रूप में हुई है। उन्होंने आगे बताया कि इन पांचों आरोपियों को पर्याप्त सबूतों के साथ बुधवार को न्यायालय के समक्ष भेजा गया है। वहीं, पुलिस की ओर से मामले से संबंधित आगे की जांच और कार्रवाई जारी है। बता दें कि पुलिस की ओर से धोखाधड़ी के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई का एक दूसरा मामला शनिवार को नई दिल्ली से सामने आया, जहां साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने धोखाधड़ी और चोरी के एक मामले को सुलझाया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व विभागों में नई तैनाती

प्रशासन को कुशल और जवाबदेह बनाना सरकार की प्राथमिकता : सीएम रेखा गुप्ता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और जन सेवाओं की डिलीवरी में तेजी लाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सेवा विभाग ने डीएएसएस कैडर के 111 अधिकारियों के प्रमोशन और नई पोस्टिंग के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'प्रशासनिक व्यवस्था को कुशल और जवाबदेह बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को सौंपी गई नई जिम्मेदारियों से स्वास्थ्य, शिक्षा और राजस्व जैसे प्रमुख विभागों में लोगों को मिलने वाली सेवाओं में तेजी आएगी।'

जारी आदेश के अनुसार बड़ी संख्या में अधिकारियों को शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर डीएसएस के पद पर तैनात किया गया है। इससे दिल्ली की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सुचारू संचालन में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी अहम बदलाव किए गए हैं। लोक

नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में अधिकारियों को डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के पद पर प्रमोट किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में भी डिप्टी डायरेक्टर स्तर पर नई नियुक्तियां की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रमोट किए गए अधिकारियों को राजस्व विभाग और व्यापार कर विभाग डीटीएंडटी के विभिन्न उप-मंडलों में एसडीएम मुख्यालय और असिस्टेंट कमिश्नर के रूप में भी नियुक्त किया गया है। इससे राजस्व संग्रह और जीएसटी से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी।

इसके अलावा, उपराज्यपाल सचिवालय, कानून एवं न्याय विभाग और सतर्कता निदेशालय में भी अधिकारियों को डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर तैनात किया गया है। सरकार का मानना है कि इन तैनातियों से फाइलों के निपटारे में तेजी आएगी और प्रशासन और अधिक जवाबदेह बनेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ये प्रमोशन दिल्ली सरकार की कर्मचारियों के करियर को आगे बढ़ाने और उनकी सेवा भावना को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। डीएएसएस कैडर के ग्रेड-I अधिकारी लंबे समय से करियर में ठहराव का सामना कर रहे थे। ये प्रमोशन दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों और कैडर पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत संभव हुए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 34469/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 3/2026
रायपुर दिनांक 18/08/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34469
वार्ड का नाम–29– गुरु गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR 334C00213** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KHORBAHARIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE RAMCHARAN SONWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मोहम्मद आफताब पिता/पति श्री/श्रीमती श्री मोहम्मद मोबिन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 34471/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 3/2026
रायपुर दिनांक 18/08/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34471
वार्ड का नाम–12– कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR 229A00095** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. SOUMITR KUMAR RAO** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. Y.V.K. RAO** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती संजय कुमार बाहेती पिता/पति श्री/श्रीमती श्री सत्यनारायण बाहेती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

असम में हाथियों की सुरक्षा के लिए एनएफआर और वन विभाग ने बढ़ाया समन्वय

विश्व केसरी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) असम वन विभाग के साथ करीबी समन्वय और अपने अग्रिम पंक्ति के रेल कर्मचारियों की सतर्कता के जरिए रेलवे पटरियों को पार करने वाले हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार सक्रिय कदम उठा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि बुधवार तड़के असम वन विभाग के अधिकारियों ने रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को लुमडिंग-हावाईपुर सेक्शन में समय पर रुकवाया। इससे हाथियों के एक झुंड को सुरक्षित तरीके से रेलवे ट्रैक पार करने में मदद मिली। पिछले कुछ दिनों में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जो एनएफआर के लोको पायलटों की सतर्कता को दर्शाते हैं। 15 अगस्त को गुवाहाटी-मरियानी एक्सप्रेस के लोको पायलट को सतर्कता से लामसाखांग-पाथरखोला सेक्शन में हाथियों का एक झुंड सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक पार कर सका। इसी तरह 16 अगस्त को नरंगी-अगरतला एक्सप्रेस के लोको पायलट ने समय रहते कार्रवाई करते हुए हावाईपुर-लामसाखांग सेक्शन में हाथियों को सुरक्षित तरीके से ट्रैक पार करने का अवसर दिया।

शर्मा ने कहा कि ये घटनाएं एनएफआर और वन विभाग के बीच प्रभावी समन्वय के साथ-साथ रेलवे के परिचालन कर्मचारियों की सतर्कता और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास हाथियों और ट्रेनों के बीच टकराव रोकने तथा हाथी गलियारों में वन्यजीवों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एनएफआर ने संवेदनशील क्षेत्रों में हाथी-ट्रेन टक्कर की घटनाओं को रोकने के लिए कई सक्रिय और तकनीक आधारित उपाय किए हैं। इनमें डिस्ट्रीब्यूटेड एकॉस्टिक सिस्टम (डीएएस) तकनीक पर आधारित एआई-सक्षम इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) की तैनाती शामिल है। यह प्रणाली रेलवे ट्रैक के आसपास हाथियों की गतिविधि का वास्तविक समय में पता लगाकर अलर्ट जारी करती है। इसके अलावा हाथियों की मौजूदगी के आधार पर रात के समय और अस्थायी गति प्रतिबंध लागू किए जाते हैं। रेलवे ने गश्त बढ़ाने, ट्रेन क्रू को संवेदनशील बनाने, चेतावनी संकेत लगाने, वनस्पतियों की सफाई और वन विभाग के साथ रियल-टाइम समन्वय जैसे कदम भी उठाए हैं। संवेदनशील स्थानों पर 'प्लान बी' प्रणाली भी लगाई गई है, जिसमें हाथियों को रेलवे ट्रैक से दूर रखने के लिए तेज आवाज में मधुमक्खियों की भनभनाहट का इस्तेमाल किया जाता है। एनएफआर ने चिन्हित स्थानों पर अंडरपास का निर्माण भी शुरू किया है, ताकि वन्यजीवों की आवाजाही सुरक्षित तरीके से हो सके और हाथियों को रेलवे ट्रैक पर आने से रोका जा सके। शर्मा ने कहा कि एनएफआर सुरक्षित रेल परिचालन के साथ-साथ क्षेत्र के समृद्ध वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने, वन्यजीव अधिकारियों के साथ समन्वय मजबूत करने और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की सतर्कता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनआरसी की मांग को लेकर शटडाउन, इंफाल घाटी में दूसरे दिन भी जनजीवन प्रभावित

विश्व केसरी

इंफाल। इंफाल घाटी इलाके में बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी आम जनजीवन प्रभावित रहा। 'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डेलिमिटेशन' ने मणिपुर में जनगणना-2027 से पहले 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स' (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग को लेकर 48 घंटे की राज्यव्यापी हड़ताल बुलाई थी।

कई छात्र और युवा संगठन, महिलाओं के समूह (जिनमें प्रभावशाली महिला नेता भी शामिल हैं) और सिविल सोसाइटी संगठन इस शटडाउन का समर्थन कर रहे हैं। यह शटडाउन सोमवार आधी रात को शुरू हुआ और बुधवार आधी रात तक जारी रहेगा।

शटडाउन के दूसरे दिन, बुधवार को मणिपुर के घाटी वाले छह जिलों में ज्यादातर जगहों पर दुकानें, बाजार, शिक्षण संस्थान, सरकारी दफ्तर और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बंद रहीं और इंफाल घाटी के बड़े हिस्सों में सड़कें सुनसान रहीं। इस घाटी में छह जिले आते हैं। इंफाल ईस्ट, इम्फाल वेस्ट, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग और जिरीबाम।

हालांकि, पूरे राज्य में हुए इस शटडाउन का पहाड़ी जिलों, जैसे चूड़ाचांदपुर और कांगपोकपी, पर कोई असर नहीं पड़ा। इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिलों के अलग-अलग हिस्सों में जेएफडी कार्यकर्ताओं और शटडाउन लागू कराने वालों ने टायर जलाए और बांस के खंभों व पत्थरों से सड़कें जाम कर दीं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन किए और 'नो एनआरसी, नो सेंसस' जैसे नारों वाले पोस्टर लगाए। मणिपुर में जनगणना-2027 से पहले एनआरसी लागू करने की मांग कर रहे छात्रों ने इम्फाल में जनगणना संचालन निदेशालय के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस बीच, जनगणना-2027 प्रक्रिया के तहत 17 अगस्त से 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' शुरू हो गया है। मुख्य 'हाउस-लिस्टिंग' काम इस साल 1 सितंबर से 30 सितंबर तक जनगणना कर्मियों द्वारा किया जाएगा।

ओडिशा के केंद्रपाड़ा में बाढ़ का कहर, कुलासाही आश्रम में फंसे 255 छात्रों का रेस्क्यू

विश्व केसरी

केंद्रपाड़ा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में भारी बारिश के बाद बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं। कुलासाही सेवाश्रम/आश्रम स्कूल में पानी भरने के बाद वहां करीब 255 छात्र फंस गए। छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स और फायर सर्विस की टीमों ने बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। प्रशासन के मुताबिक, बचाए गए छात्रों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर ठहराने की व्यवस्था की जा रही है।

बचाव अभियान के दौरान करीब 240 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इन्हें महादेईपटना रेजिडेंशियल स्कूल में पहुंचाया गया है। प्रशासन का कहना है कि बाकी छात्रों को भी सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद उनके अभिभावकों को सूचना दी जाएगी और स्थिति सामान्य होने पर उन्हें घर भेजा जाएगा। केंद्रपाड़ा के सब-कलेक्टर अरुण कुमार नायक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि बच्चे करीब तीन दिनों से बाढ़ के पानी के बीच फंसे हुए थे। नदी में पानी का बहाव बेहद तेज होने के कारण शुरुआती दिनों में राहत और बचाव अभियान चलाना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि अब परिस्थितियों में कुछ सुधार हुआ है और पानी का स्तर भी थोड़ा कम हुआ है। इसके बाद प्रशिक्षित टीमों की मदद से बच्चों को निकालने का अभियान तेज किया गया। सब-कलेक्टर के मुताबिक, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए कुल आठ टीमें तैनात की गई थीं। इन टीमों ने पेशेवर तरीके से काम करते हुए बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। प्रशासन की ओर से बच्चों के रहने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का इंतजाम किया जा रहा है। भाजपा विधायक दुर्गा प्रसन्न नायक ने क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को लेकर कहा कि इस बार उम्मीद से कहीं अधिक बारिश हुई है। उनके मुताबिक, करीब 1,100 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो पिछले 25 वर्षों में नहीं हुई थी। भारी बारिश के कारण ओडिशा के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हुए हैं।

विधायक ने कहा कि बाढ़ के दौरान कई बच्चे आश्रम के स्कूलों में फंसे हुए थे। सरकार की ओर से बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी, सब-कलेक्टर, बीडीओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं तथा राहत और बचाव अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है।

सीएम विजय ने डीएमके के दौर की सरकार में 'अनियमितताओं' पर कार्रवाई का दिया संकेत

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तीन विभागों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी फाइलें उनके पास हैं। उन्होंने संकेत दिया कि सही समय आने पर सबूतों के साथ इन मामलों की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में तीखी बहस के दौरान ये बातें कहीं, जहां जल संसाधन, ग्रामीण विकास और पंचायत राज, पर्यटन, और कला और संस्कृति विभागों के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा हो रही थी। बहस में हिस्सा लेते हुए, डीएमके विधायक आई. पेरियासामी ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग से जुड़े कई मुद्दे उठाए। मंत्री एन. आनंद ने विपक्ष के वरिष्ठ विधायक द्वारा उठाए गए बिंदुओं का जवाब दिया और टीवीके सरकार के कामकाज का बचाव किया।

बहस तब और तेज हो गई जब डीएमके ने पिछली सरकार के खिलाफ सत्ताधारी पार्टी द्वारा लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मांगे। विपक्ष के सदस्यों ने सवाल किया कि क्या सरकार के पास डीएमके के पूर्व मंत्रियों पर लगाए गए आरोपों का कोई दस्तावेजी सबूत है।

इस मांग का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि वित्त मंत्री ने पहले तीन विभागों से जुड़ी उन फाइलों का जिक्र किया था जिनकी जांच की गई थी। सदन को बताया गया कि ये फाइलें अब मुख्यमंत्री के पास हैं और इनमें कथित अनियमितताओं से जुड़े सबूत मौजूद हैं।

बहस में दखल देते हुए सीएम विजय ने कहा कि शुरू में उनका इस मुद्दे पर बोलने का कोई इरादा नहीं था लेकिन विपक्ष द्वारा बार-बार सबूत मांगने के कारण उन्हें जवाब देना पड़ा। सीएम विजय ने कहा, 'एक हफ्ते पहले, जब वित्त मंत्री ने सदन में बात की थी, तो उन्होंने कहा था कि जिन तीन विभागों की जांच की गई थी, उनसे जुड़ी फाइलें मेरी मेज पर हैं। अब विपक्ष सबूत मांग रहा है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्दबाजी में फाइलों की जानकारी सार्वजनिक नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी सार्वजनिक किया जाना जरूरी होगा, उसे सही तरीके से और सबूतों के साथ जारी किया जाएगा। विजय ने कहा कि उनका प्रशासन समझता है कि लोगों से कब, क्या और कैसे बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने टीवीके के वादों पर अच्छी तरह विचार करने के बाद प्यार और बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें सत्ता सौंपी है। सीएम विजय ने कहा, 'मैं बोलूंगा। ऐसा नहीं है कि मैं चुप रहूंगा।' साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि सरकार अपनी जांच के नतीजों को उजागर करने के लिए सही समय चुनेगी। कुछ लोगों को कम से कम आने वाले उपचुनावों के दौरान अच्छी खबर पाने का मौका तो मिलना चाहिए।

दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक होगा 'विकसित भारत यंग इंडिया डायलॉग 2027', एक करोड़ युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 'विकसित भारत यंग इंडिया डायलॉग 2027' का भव्य आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय यह युवा केंद्रित कार्यक्रम 10 से 12 जनवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य देश के विकास की यात्रा और भविष्य की दिशा पर युवाओं को संवाद के लिए एक बड़ा मंच उपलब्ध कराना है। आयोजकों ने 2027 के संस्करण के लिए 'यंग इंडिया डायलॉग' मंच से करीब एक करोड़ युवाओं को जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। यह पहल युवाओं को विकसित भारत के निर्माण को लेकर अपने विचार, दृष्टिकोण और आकांक्षाएं साझा करने का अवसर देगी। इसके साथ ही राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम के तहत 22 भाषाओं में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इससे अलग-अलग भाषाई पृष्ठभूमि वाले युवाओं को इस पहल से जुड़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। तीन दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम में देशभर के युवा प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस दौरान विकसित भारत के विजन को केंद्र में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों, संवाद और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का युवाओं के साथ संवाद होगा। प्रधानमंत्री 12 जनवरी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में युवा प्रतिभागियों से बातचीत करेंगे।

इस दौरान वह भारत के विकास, युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं और देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

'विकसित भारत यंग इंडिया डायलॉग 2027' में विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियां भी शामिल होंगी। ये हस्तियां युवाओं के साथ संवाद करेंगी और अपने अनुभव तथा विचार साझा करेंगी। अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की भागीदारी से कार्यक्रम को व्यापक और विविध बनाने की योजना है।

10 से 12 जनवरी तक होने वाला यह आयोजन देशभर के युवाओं को एक साझा मंच पर लाने और विकसित भारत के विजन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

राजस्थान विधानसभा सत्र की अवधि को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने, 20 से शुरू होगा मानसून सत्र

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। सत्र शुरू होने से पहले ही विधानसभा की अवधि और जनहित के मुद्दों पर चर्चा को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। कांग्रेस जहां विधानसभा की कार्यवाही 20 से 25 दिन तक चलाने की मांग कर रही है, वहीं सरकार की ओर से संकेत दिए गए हैं कि सत्र 25 अगस्त तक ही चल सकता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों और कार्यवाही की अवधि को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद सामने आए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मांग की कि सदन को 20 से 25 दिनों तक चलाया जाए, ताकि प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हो सके।

उन्होंने छात्रों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, मजदूरों और दलितों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ स्कूलों की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा की मांग की।

जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए और विपक्ष को जनता की समस्याएं सदन में उठाने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए।

बांग्लादेश में खसरे पर नियंत्रण जल्द नहीं, मंत्री बोले- दो से तीन महीने लगेंगे

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे या खसरे जैसे लक्षणों के कारण इस साल अब तक 922 बच्चों की मौत हो गई है। आंकड़ा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। दिनों दिन इस प्रकोप की चपेट में आते बच्चों को फिलहाल राहत मिलती नहीं दिख रही है। करीब दो-तीन महीनों में ही स्थिति सुधर सकती है और बुधवार को ऐसा देश के मंत्री ने कहा। उन्होंने वर्तमान परिस्थिति के लिए पूर्व की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। बांग्लादेशी न्यूज एजेंसी यूएनबी के अनुसार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री एम. ए. मुहित ने कहा, 'बांग्लादेश को खसरे को काबू में लाने और हालात को बेहतर बनाने में कम से कम दो से तीन महीने लग सकते हैं।

ढाका के बांग्लादेश शिशु अस्पताल और संस्थान के ऑडिटोरियम में खसरे पर हुई रिसर्च को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा, 'हमें इस दौरान काम करना होगा, मौतों की संख्या कम करनी होगी और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा। मुहित ने कहा, 'यह उम्मीद करना अव्यावहारिक होगा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या को एक दिन या अगले हफ्ते में हल किया जा सकता है। देश की लगभग 80 प्रतिशत आबादी पब्लिक हेल्थकेयर सिस्टम पर निर्भर है और सालों से कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण यह सेक्टर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में प्राइवेट अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों का एक बड़ा नेटवर्क है, जहां क्वालिटी कंट्रोल और मुनाफे से जुड़ी चिंताएं बनी हुई हैं। बच्चों की हेल्थकेयर के लिए, सरकार की भविष्य की योजनाओं के बारे में बताते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार बच्चों की सेहत को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रही है।

अनिद्रा का असर नौकरी पर भी, 50 की उम्र के बाद रखना चाहिए खास ख्याल: अध्ययन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रात में नींद न आना या फिर 'साउंड स्लीप' से दूरी नौकरीपेशा लोगों के लिए आफत का सबब बन सकती है। रात में खराब या बेहद बाधित नींद का असर सिर्फ अगले दिन की थकान तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे 50 वर्ष की उम्र के बाद कामकाजी जीवन भी करीब नौ महीने तक कम हो सकता है। फिनलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ तुर्कू के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को नींद से जुड़ी गंभीर परेशानियां थीं, वे बिना नींद की समस्या वाले लोगों की तुलना में 50 से 68 वर्ष की उम्र के बीच करीब आठ महीने कम काम करने की उम्मीद रख सकते हैं। मध्यम स्तर की नींद संबंधी परेशानी वाले लोगों की कामकाजी अवधि करीब पांच महीने कम पाई गई। यह प्रभाव लिंग और नौकरी के प्रकार से अलग था।

शोधकर्ताओं ने फिनिश पब्लिक सेक्टर (एफपीएस) और हेल्थ एंड सोशल सपोर्ट (एचईएसएसयूपी) अध्ययनों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया। इसमें 50 वर्ष की उम्र के बाद प्रतिभागियों की नींद की आदतों का आकलन किया गया। नींद की परेशानियों में सोने में दिक्कत, रात में बार-बार जागना, सुबह बहुत जल्दी नींद खुलना और पर्याप्त नींद लेने के बावजूद तरोताजा महसूस न करना शामिल था।

अध्ययन में रात की नींद को तीन श्रेणियों में बांटा गया था-सात घंटे से कम, सात से साढ़े आठ घंटे और नौ घंटे या उससे अधिक। शोध के अनुसार, सात घंटे से कम और सात से साढ़े आठ घंटे तक सोने वालों की 50 वर्ष की उम्र के बाद कामकाजी जीवन प्रत्याशा करीब 13 साल दो महीने रही। वहीं, नौ घंटे या उससे अधिक सोने वालों में यह अवधि घटकर करीब 12 साल पांच महीने रह गई।

संपादकीय

'अंधेरों की साज़िश और धूप की जीत'

डॉ. अरविन्द नेरल, एम. डी.

इक्कीसवीं सदी में जहाँ भौतिक जगत में हमने कल्पना से परे प्रगति की है, वहीं समाज और देश के प्रति जनसामान्य में अपने दायित्वों में जो कमी परिलक्षित हो रही है, वह यकीनन चिंता और चिंतन का सबब है। एक स्वार्थपरक, आत्मकेन्द्रित, दमघोटू माहौल है जहां फरेब, अमानुषता और अपराधों का बोलबाला है और इंसानियत, सामाजिकता और राष्ट्रीयता जैसे गुण किसी कोने में दुबके बैठे हैं। संवेदनहीनता का ये आलम है कि ''पड़ोसी मर गया ये ख़बर अख़बार देते हैं, सोचिये किस तर्जा ज़िंदगी जीते हैं हम।'' । संवेदनहीनता की ये लहरें सुनामी से ज़्यादा विकराल हैं ।

'हादसों के इस कदर आदी हो गये हैं लोग,
एक जगह एक लाश थी और कोई हंगामा न था''।

चादर तान कर सो जाने की कला में हम पारंगत हुये जा रहे हैं, गोया इन सबसे हमारा क्या सरोकार। मान लिया कि आज की भागम भाग की ज़िंदगी में हमारी मसरूफियत कुछ ज़्यादा ही बढ़ गई है, लेकिन अपनी समस्याओं में से समय निकाल कर राष्ट्रीय या सामाजिक समस्याओं के प्रति चिंतित होना, उनके प्रति अपने- अपने दायित्वों को निभाना ही इंसानियत है, राष्ट्रीयता है। हम किसी भी मजहब के हों, किसी भी धर्म के अनुयायी हो, हमारा फलसफा कुछ यूं हो:

''शहर भर के लोगों से मोहब्बत करना,
हमने सीखा है यूं ही इबादत करना।''

ये आम लोगों की अतिउदारता, सहनशीलता और तटस्थता है जो राजनीतिज्ञों को, अफसरों को और अपराधियों को भस्मासूर बनाती है। अब वक्त आ गया है कि हम अपने भोलेशंकरपन से उबरें, सामूहिक प्रतिकार की भावना जागृत करें और गलत व्यवस्था को चुनौती देने का साहस करें- ''हक़ और इंसाफ की बेख़ौफ हिमायत की है हमने, गर ये बगावत है तो हां बगावत की है हमने''। आज अन्याय का प्रतिकार करने वाले सरफरोश नौजवानों की आवश्यकता है। जिन सोच-समझ वाले लोगों से नीर- क्षीर विवेकी होने की अपेक्षा की जाती है, उनका बहुमत अक्सर उदासीनता की चादर ताने पड़ा रहता है। यही कारण है कि हमारा समाज भ्रष्टाचारियों और बेईमानों का स्वर्ग बना हुआ है। अच्छे लोग जब उदासीन हो जाते हैं, तभी उचक्कों को मंच पर काबिज होने का मौका मिल जाता है। बुरे नेता सिर्फ इसलिये चुन लिये जाते हैं, क्योंकि अच्छे लोग वोट देने तक नहीं जाते हैं। जिनके हवाले देश के विकास का जिम्मा होता है, वे ही हवाला के हवाले होकर देश का दिवाला निकाल रहे होते हैं और हम कुछ नहीं करते.. तंत्र को सुधारने के लिये गण को सुधारना होगा। लोकतंत्र की राज्यसभा में ईमानदारी की द्रोपदी को दुर्योधनों और दु:शासनों के हाथों निवस्त्र होते देखकर भी भीष्म पितामहों और हम सबका मौन रहना क्या अपराध नहीं है-

''बागियों की फेहरिस्त में ही तुम मेरा नाम लिखना
सर झुकाने का सलीका कम ही आता है मुझे।''

हम अपराधियों का प्रतिकात्मक विरोध भी नहीं करते हैं। हम पर ऐसी घोर स्वार्थपरक सामूहिक मानसिकता हावी होती जा रही है, जिससे सभ्य समाज नाम की कोई चीज रह जायेगी इसमें संदेह होता है। भ्रष्टाचार और बेईमानी दुर्गण न होकर योग्यता होते जा रहे हैं। किसी भी प्रतिष्ठान पर आयकर का छापा पड़ना उसके आर्थिक प्रतिष्ठा का प्रमाण होता जा रहा है। रिश्वत लेना अन्याय नहीं, अन्य आय माना जाने लगा है। और फिर, हमने ये सुविधा भी दे रखी है कि अगर रिश्वत लेते हुए पकड़े जायें तो रिश्वत देकर छुट भी सकते हैं। भ्रष्टाचार इस कदर है कि यदि कोई बंदा रिश्वत लेकर समय पर काम कर दे, तो वह ईमानदार की श्रेणी में रखा जाता है। हम स्वयं से प्रश्न करें कि हमें गुस्सा क्यों नहीं आता। सर्वत्र व्याप्त अनाचार, अव्यवहार, अन्याय और भ्रष्टाचार के हम मूक दर्शक होते जा रहे हैं और इस व्यवस्था के अविभाज्य अंग हो रहे हैं।वातानुकूलित सुविधाओं ने हमारे गुस्सा होने की क्षमता समाप्त कर दी है। 'इस तरह ख़ामोश रहना ख़ून की तौहीन है, बर्दाश्त की कुछ तो हद होनी चाहिए।' क्या राजनेता बतायेंगे तभी लोगों के समझ आयेगा कि उनकी झोपड़ियों में आग लगी है और कुत्ता रोटी लेकर भाग गया है।

आखिर क्या है दिमागी नक्सलवाद?

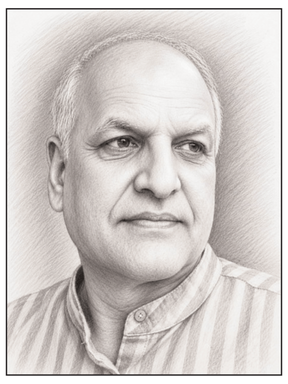
गिरीश पंकज

देश के वनप्रांतरों में फैला सशस्त्र नक्सल वाद लगभग खत्म हो चुका है मगर शहरी क्षेत्र में जो नक्सलवाद वैचारिक रूप से उपस्थित है उसे अब दिमागी नक्सलवाद या अर्बन नक्सलवाद के रूप में पहचाने जाने लगा है। आग्रह-दुराग्रह से मुक्त होकर इस विषय को समझने की जरूरत है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से 'दिमागी नक्सलवाद' और आंतरिक चुनौतियों पर दिया गया बयान राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर व्यापक चर्चा और बेचैनी का विषय बन गया है। सोशल मीडिया में अनेक बुद्धिजीवी खुद को दिमागी नक्सलवादी घोषित करने लगे हैं । इस मुद्दे के प्रमुख आयामों और इससे जुड़ी चिंताओं को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है । प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह संकेत दिया कि नक्सलवाद सिर्फ जंगलों और हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरों में बैठकर व्यवस्था, विकास और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाला बौद्धिक नेटवर्क देश के लिए एक गंभीर आंतरिक खतरा है। सरकार का दृष्टिकोण रहा है कि कुछ समूह मानवाधिकार और पर्यावरण के मुद्दों की आड़ में विकास परियोजनाओं (बुनियादी ढांचा, उद्योग, ऊर्जा) को रोकने और देश की आर्थिक प्रगति को बाधित करने का प्रयास करते हैं। आलोचकों, बुद्धिजीवियों और विपक्षी दलों का तर्क है कि 'दिमागी नक्सली' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की कोई सटीक कानूनी परिभाषा नहीं है। ऐसे में यह डर बना रहता है कि सरकार की नीतियों से असहमति जताने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और शिक्षाविदों को भी इस दायरे में लपेटकर निशाना बनाया जा सकता है। मानवाधिकार संगठनों की चिंता है कि इस तरह के विमर्श से जमीनी मुद्दों (जैसे आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन के अधिकार, विस्थापन, पर्यावरण संरक्षण) पर आवाज उठाने वालों को देश-विरोधी करार दिए जाने का जोखिम बढ़ता है। सख्त आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों पर होने वाली कार्रवाइयों को लेकर न्यायविदों और नागरिक समाज में पहले से ही चिंताएं रही हैं। लाल किले के मंच से इस विषय के उठने से इन चिंताओं को और बल मिला। ?सुरक्षा एजेंसियों और सरकार के समर्थकों का मानना है कि राष्ट्र की संप्रभुता और एकता की रक्षा के लिए उन 'स्लीपर सेल्स' और बौद्धिक नेटवर्कों की पहचान करना आवश्यक है, जो पर्दे के पीछे से विध्वंसक गतिविधियों को हवा देते हैं। दूसरी ओर, नागरिक समाज का आग्रह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लोकतांत्रिक असहमति और जायज आलोचना के अधिकार को सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि देश में स्वस्थ विमर्श और स्वतंत्र अभिव्यक्ति का दायरा प्रभावित न हो।

दिमागी नक्सली या वैचारिक नक्सली शब्द समकालीन भारतीय राजनीतिक और सामाजिक विमर्श में उन बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और वकीलों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिन पर यह आरोप लगता है कि वे प्रत्यक्ष रूप से हथियार उठाए बिना, शहरों और प्रतिष्ठित संस्थानों में बैठकर माओवादी या राज्य-विरोधी

विचारधारा को बौद्धिक, कानूनी, वित्तीय या प्रचार-प्रसार से जुड़ा समर्थन देते हैं।

नक्सलवाद का उदय..

नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से एक सशस्त्र कृषि-क्रांति के रूप में हुई थी। दशकों तक इसे मुख्य रूप से 'दंडकारण्य' और 'लाल गलियारे' के घने जंगलों में सक्रिय बंदूकधारी लड़ाकों तक सीमित माना गया।

हाल के वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों और राजनीतिक विश्लेषकों ने पाया कि माओवादी केवल जंगलों में सीमित नहीं हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के रणनीतिक दस्तावेजों, विशेषकर में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया था कि शहरों में बौद्धिक नेटवर्क, छात्र संगठनों, मजदूर संघों और नागरिक अधिकार मंचों के जरिए वैचारिक आधार तैयार करना क्रांति का अहम हिस्सा है। ?इसी पृष्ठभूमि में अर्बन नक्सल या दिमागी नक्सली शब्द प्रचलन में आया। यह शब्द मुख्य रूप से उन लोगों को लक्षित करता है जो कानूनी और लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर रहते हुए उन प्रणालियों की वैधता को चुनौती देते हैं। ?पारंपरिक नक्सली बंदूकों और बारूद के जरिए सत्ता को चुनौती देते हैं, जबकि दिमागी नक्सली विचारों, विमर्श और कानूनी प्रणालियों के माध्यम से प्रभाव डालते हैं। विश्वविद्यालयों, साहित्य, मीडिया और कला के माध्यम से राज्य को केवल शोषक, दमनकारी और जनविरोधी साबित करने वाला विमर्श खड़ा करना। मानवाधिकार की आड़ में जेल में बंद माओवादी कैडरों को कानूनी सहायता दिलाना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके पक्ष में अभियान चलाना।

उच्च शिक्षण संस्थानों में हाशिए पर खड़े समुदायों (आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक) के वास्तविक असंतोष का फायदा उठाकर उनमें लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करना। गैर-सरकारी संगठनों और मानवाधिकार समूहों के माध्यम से ऐसे विमर्शों को वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना जो देश की आंतरिक सुरक्षा और विकास परियोजनाओं (जैसे खनन, बांध, हाईवे) में बाधा डालें।

सशस्त्र नक्सली जंगल में सक्रिय रहे, तो उनके समर्थक दिमागी नक्सली शहरीक्षेत्र में सक्रिय रहे.

सुदुर ग्रामीण क्षेत्र, जंगल, बस्तर, सुकमा आदि में सशस्त्र नक्सली कार्य करते हैं, और दिमागी नक्सली

महानगरों में, कुछ विश्वविद्यालयों में यहाँ तक कि मीडिया में भी सक्रिय हैं । जंगलजीवी नक्सलियों के पास आधुनिकता और देसी बंदूकें हैं तो अर्बन नक्सली कलम, कानून, शोध-पत्र, सोशल मीडिया, जनहित याचिकाएं रखते हैं । एक तरफ प्रत्यक्ष हिंसा, सुरक्षाबलों पर हमले करते थे, यो दूसरी तरफ वैचारिक औचित्य गढ़ कर सहानुभूति पैदा करने का काम किया जाता रहा है ?। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने कई ऐसे मामलों की जांच की है जहां प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर भूमिगत माओवादी नेटवर्क से सीधे संबंध होने के आरोप लगे.

2018 का भीमा कोरेगांव मामला का पिक्चर चित्र कबीर कला मंच और एलगार परिषद से जुड़े कई प्रसिद्ध वकीलों, प्रोफेसरों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं जैसे रोना विल्सन, सुधा भारद्वाज, वरवरा राव, गौतम नवलखा आदि)की गिरफ्तारी हुई। जांच एजेंसियों का दावा था कि ये लोग शहरी नेटवर्क के जरिए माओवादी शीर्ष नेतृत्व से जुड़े थे। इसी तरह दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जी.एन. साईबाबा पर माओवादियों को लॉजिस्टिक और बौद्धिक सहायता देने के आरोप लगे और उन पर लंबे समय तक मुकदमा चला। ?अर्बन नक्सली शब्द के प्रयोग को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, उदारवादी बुद्धिजीवियों और न्यायविदों के बीच गंभीर चिंताएं भी हैं ।आलोचकों का तर्क है कि सरकार की नीतियों, मानवाधिकार उल्लंघनों या कॉरपोरेट-आदिवासी संघर्षों पर सवाल उठाने वाले हर स्वतंत्र विचारक को 'दिमागी नक्सली' करार देकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में राज्य की नीतियों की कड़ी आलोचना अपराध नहीं है। यदि आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन के अधिकारों की वकालत करने वाले हर सामाजिक कार्यकर्ता को नक्सली मान लिया जाएगा, तो लोकतांत्रिक असहमति के लिए जगह खत्म हो जाएगी। कानूनी तौर पर 'दिमागी नक्सली' या 'अर्बन नक्सल' जैसी कोई स्पष्ट कानूनी धारा नहीं है। इसे अक्सर एक राजनीतिक लेबल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिससे राजनीतिक दुरुपयोग का जोखिम बढ़ता भी है। ?राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है।

गीतों की सियासत या सियासत की शरारत

राकेश अचल

भारत विवादों का देश है, ये कहने में मुझे रत्तीभर संदेह नहीं हैं. भारतीय समाज और सियासत में विवाद कुककरमुत्ते की तरह पैदा हो जाते हैं. ताजा विवाद राष्ट्र गीत बनाम राज्यगीत का है.कुछ दलों की सियासत इन्ही बेसिर-पैर के विवादों से चलती आ रही है.

बीते स्वतंत्रता दिवस पर इस गीत विवाद की छाया मुसलमानों से होती हुई कांग्रेस और श्रीमती सोनिया गांधी पर आकर ठहर गई. ये विवाद थमा भी न था कि तमिलनाडु का राज्य गीत राष्ट्रगान और राष्ट्र गीत के आगे तनकर खडा हो गया. माननीय अदालत का भी उसे संरक्षण मिल गया.

आपको याद होगा कि भारत की आजादी के बाद संविधान सभा ने कविवर रवींद्रनाथ टैगोर की रचना जन गण मन को राष्ट्र गान के रुप में स्वीकृति दी थी, तब से अब तक देश दुनिया में 56 सेकेंड के जन गण मन को ही गाया, बजाया जा रहा है. लेकिन ध्रुवीकरण की राजनीति में सिद्धहस्त मौजूदा भाजपा सरकार को जन गण मन पसंद नहीं सो उसने वंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना वंदेमातरम को जन गण मन के आगे खडा कर दिया.जबकि वंदेमातरम को कांग्रेस ने ही जिंदा रखा अपने हर अधिवेशन में गाकर.

सरकार ने इसके लिए कानून में संशोधन कर वंदेमातरम को भी जन गण मन जैसा सम्मान न देने पर सजा का प्रावधान कर डाला. दरअसल भाजपा जन गण मन को कांग्रेस का राष्ट्रगान समझती है. मजबूरी में उसे गाना पडता था, सो गृहमंत्रालय ने शरारतन वंदेमातरम को जन गण मन से पहले गाने का प्रोटोकॉल बना दिया. 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय पर ध्वजारोहण के समय वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस की शीर्ष नेता श्रीमती सोनिया गांधी पर वंदेमातरम के गायन में व्यवधान डालने का आरोप लगाकर उन्हे राष्ट्र विरोधी बताने का अभियान शुरू कर दिया.उनके विरोध में दिमागी पैदल पुलिस तक पहुंच गए.

आपको याद होगा कि वंदेमातरम के कुछ शब्दों को लेकर कुछ मुस्लिम संगठनों को धार्मिक कारणों से ऐतराज़ है. भाजपा इसी बुनियाद पर देश के मुसलमानों को राष्ट्र विरोधी और आतंकी ठहराने की कोशिश करती आ रही है. भाजपा की ये साजिश अब बेनकाब हो चुकी है क्योंकि देश का हर मुसलमान जन गण मन खुशी-खुशी गाता है. उसका सम्मान करता है.

केंद्र के एक मंत्री डी कुमार स्वामी ने तो हद कर दी और कह डाला कि श्रीमती सोनिया गांधी भारतीय हैं ही नही, उनकी रगों में तो इटली का खून बह रहा है. इस टिप्पणी से भाजपा के मन में गांधी परिवार के प्रति नफरत का अंदाजा लगाया जा सकता है.

अभी ये मामला ठंडा भी नही हुआ था कि तमिलनाडु सरकार ने अपने राज्यगीत को वंदे मातरम के आगे खडा कर दिया. तमिलनाडु सरकार ने एक आदेश जारी कर सभी सरकारी कार्यक्रमों में सबसे पहले राज्य के आधिकारिक गीत 'तमिल थाई वाज्थु' का गायन अनिवार्य कर दिया है.मुख्य सचिव एम. साई कुमार द्वारा जारी आदेश में राज्य गीत गाए जाने के दौरान मौजूद सभी लोगों को खड़े होने का निर्देश भी दिया गया है, जिसमें दिव्यांग लोगों को छूट दी गई है।

बोध कथा

सत्यता की राहों से न भटकने वाला ही महावीर

बहुत समय पहले तिब्बत की राजधानी ल्हासा में बौद्ध भिक्षुओं केदो आश्रम थे। बड़ा आश्रम ल्हासा में था। उसकी एक छोटी गांव में थी। इसके लामा वृद्ध हो गए थे। उन्होंने सोचा कोई उत्तराधिकारी बनाया जाए। तो वो अपने एक शिष्य को उस बड़े आश्रम में भेजते हैं। इस पर कहीं दूर के आश्रम से वहां के गुरु उस शिष्य के साथ दस शिष्यों को भेजते हैं। परंतु शिष्य कहता है कि दस शिष्य नहीं, सिर्फ एक ही। परंतु वो कहते हैं चिंता न करो पहुंचेगा एक ही। तो दूसरे दिन वो दस शिष्य भिक्षु और यह भिक्षु निकल पड़ते हैं। यात्रा बहुत लंबी थी। चलते-2 एक शिष्य सोचता है किकैसा मेरा जीवन रहा? आश्रम में सुबह-सुबह उठकर ध्यान के लिए बैठो, प्रवचन सुनो, दिन भर सेवाएं फिर शाम को वापिस ध्यान में बैठो। शास्त्र पढ़ो और फिर वही-2 बातें। ऐसा मेरा कठोर जीवन है। जिस रास्ते से जाते हैं, उस रास्ते में अपना गांव देखकर उसे घर याद आ जाता है। वो साथियों से कहता है कि आगे चलो मैं थोड़ी देर में आता हूं। काफिला आगे बढ़ता है, थोड़े समय बाद दूसरा शिष्य भी सोचता है कि ये कैसा जीवन है? आश्रम में कितने सालों से सेवाएं, साधनाएं, तपस्या कर रहा हूं, परंतु कोई उन्नति का लक्षण दिखाई नहीं देता। तो वो भी कहता है कि थोड़ी दूर ही मेरे गांव में मेरी बूढ़ी मां बीमार है।

कविता

बात एक रात की

रवि तिवारी

रात की बात
घटना एक घटी
बदला माहौल
सब रह गए दंग

ना कभी सोचा था
वह हो गया
कोई अपना
अपनो से बिछड़ गया

यादों में बह रहे है आंसू
जुबान में शब्द नहीं
भावनाएं बोल रही है
रह रहकर अटक रही है

सामने पड़ा है इंसान
बेजुबान हो गया है
कल तक जो बोलता था
आज मौन हो गया है

लोगो को जल्दी है
समय पूछ रहे है
तारीखों पर बात कर रहे है
इंसान की कीमत समझा रहे है

घर में मची है चीख पुकार
आंखे एक टक उसे देख रही है
कही तो सास का संकेत मिले
इस आस में साँसे रोके खड़े है

चला गया इंसान
अब नहीं आएगा
मन कब समझ पाएगा
खड़े है आगे कौन बताएगा

जीवन में कौन सा पल
क्या संदेश लेकर आएगा
कोई नहीं जान पाया
किंतु घमंड कम नहीं हो पाया

ऐसी रात आएगी
सभी के जीवन में
सत्य तो केवल यही है
इससे कौन बच पाएगा।

व्यंग्य केसरी

रामजी के चिरई ,रामजी के खेत

ललन चतुर्वेदी

हमलोग संसारी जीव हैं. संसारी मतलब व्यापारी. नफ़ा-नुकसान बहुत सोचते हैं. थोड़ा सी तकलीफ होती है और हाथ-पैर पटकने लगते हैं. छटपटाने लगते हैं. बाबाजी इन सबसे पार जाने का रास्ता सरल-सहज शब्दों में बतलाते हैं. हमें कुछ नहीं करना है. थोड़ा सा आध्यात्मिक होना है. सारे झगड़े-फसाद चुटकी बजाते हल हो जायेंगे. समस्या वहाँ है जहां समझ का फेर है. विनोबा भावे ने भूदान आन्दोलन में नारा दिया था- सबै भूमि गोपाल की. उसी प्रकार संत भी कहते हैं - साई के सब जीव हैं कीरी कुंजर कोय. मान लीजिए राम-दरबार में चोरी हो गयी तो क्या हो गया? कोई अनहोनी तो नहीं हुई. दान करने वाले में राम, सुरक्षा प्रहरी में राम, नोट गिनने वाले में राम,जमा करने वालों में भी राम . जिधर देखो उधर राम ही राम .सब तो राममय हैं. मुजरिम भी और मुंसिफ भी. लेकिन कुछ लोग हैं जिन्हें न चैन है,न आराम. भाई, राम पर भरोसा रखिए. लेकिन वे मानेंगे नहीं. वे दिन-रात कह रहे हैं- राम काम कीजै बिना मोहिं कहाँ विश्राम. कुछ लोग कहते हैं-सीसीटीवी बंद हो गया या कर दिया गया तो इसमें हो-हल्ला करने की जरूरत क्या है? ऊपर वाला सब देख रहा है. उनकी नजरों से कौन बचेगा? विश्वास रखिए. उधर दूसरे लोग गल्ला फाड़ कर चिल्ला रहे हैं- एफआईआर करने में देर हो गयी. उनको कौन समझाए कि हड़बड़ी का काम शैतान का होता है. राम का काम है,आराम से होगा. धीरज धारण करना चाहिए.

कुछ लोगों का कहना है कि ये नहीं बोल रहे हैं, वे नहीं बोल रहे हैं. भाई, सब लोगों का बोलना जरूरी है क्या? मेरे विचार से कम लोगों को बोलना चाहिए और अधिक लोगों को सुनना चाहिए. कम से कम बोलना चाहिए .अधिक से अधिक सुनना चाहिए. सुनवाई की प्रतीक्षा करनी चाहिए. अब हम कलमकारों को ही देख लीजिए. कितना सोच-समझ कर बोलते हैं. एक महीना बीतने को है तब मैं कुछ बोलने के लिए सोच रहा हूँ. हम साहित्यकारों की भी एक टीम होती है- एस आई टी- साहित्यिक इंवेस्टिगेशन टीम. इसका भी कोड ऑफ़ कंडक्ट है. किस विषय पर बोलना है और किस पर चुप्पी साध लेना है-ये सब पहले से एजेंडा में तय करके रखा है. अपनी बात बतलाऊं तो मैं तुलसीदास की बात को मानता हूँ- अरथ न धरम न काम रूचि, गति न चहौं निर्वाण. परमपद में रूचि नहीं है, रामपद ही मेरे लिए पर्याप्त है. सच्चे संत को प्रपंच से क्या मतलब? और भगवान् राम को भी सामान नहीं सम्मान चाहिए. ये सब दान-दिखावा से उन्हें क्या मतलब. अब मैं कोई ऐसा-वैसा लेखक नहीं हूँ. समाधान भी तलाशता हूँ. हानि-लाभ, जीवन-मरण सब विधाता के कार्य क्षेत्र में हैं. अफ़सोस नहीं करना चाहिए. जो गया है, सब राम जी के खाते से राम जी खाते में गया है. वे गलत थोड़े हैं. वे तो संध्या के बाद गीत गाते हुए घर लौटते थे- रामजी के चिरई ,रामजी के खेत, खा ले रे चिरई भर-भर पेट. प्रतीक्षा कीजिए. चिंता करने की कोई बात नहीं- जाहि विधि रखे राम वाहि विधि रहिए।

इतिहास

20 अगस्त का दिन भारत और विश्व इतिहास में पूर्व प्रधानमंत्री Rajiv Gandhi की जयंती और सद्भावना दिवस के रूप में दर्ज है। इस दिन भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री का जन्म हुआ था और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाएं भी हुईं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ1828: ब्रह्म समाज की पहली सभा कलकत्ता (अब कोलकाता) में आयोजित की गई। 1914: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने बेल्जियम के ब्रसेल्स शहर पर कब्जा किया। 1975: अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए Viking 1 अंतरिक्ष यान को लॉन्च किया।

1988: लगभग सात साल तक चले विनाशकारी ईरान-इराक युद्ध का अंत हुआ।

1995: फिरोजाबाद के पास ट्रेन दुर्घटना में लगभग 300 से अधिक लोगों की मौत हुई।

एससी कॉलेजियम ने हाईकोर्ट के लिए तीन नामों पर लगाई मुहर

संतोष शर्मा, सुषमा सावंत और सुधीर कुमार बनेंगे जज

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायिक कामकाज को अधिक गति देने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 अगस्त 2026 को हुई अपनी बैठक में तीन वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को जज बनाने के प्रस्ताव को अपनी अंतिम स्वीकृति दे दी है। कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित नामों में कोरबा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष शर्मा, विधि एवं विधायी कार्य विभाग रायपुर की प्रधान सचिव सुषमा सावंत और रायपुर फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सुधीर कुमार शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम के इस फैसले के बाद अब केंद्रीय कानून मंत्रालय की ओर से वारंट जारी होने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे बिलासपुर स्थित हाईकोर्ट में जजों की कमी दूर करने में बड़ी मदद मिलेगी।

स्वीकृत किए गए तीनों अधिकारियों के पास जिला न्यायपालिका और राज्य विधिक प्रशासन में कार्य करने का लंबा अनुभव है। संतोष शर्मा 9 मई 2025 से कोरबा जिले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं वरिष्ठ अधिकारी सुषमा सावंत 13 अक्टूबर 2025 से रायपुर में राज्य शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में प्रधान सचिव का महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद संभाल रही हैं। तीसरे अनुशंसित अधिकारी सुधीर कुमार 27 मार्च 2025 से रायपुर कुटुंब न्यायालय (फैमिली कोर्ट) में प्रधान न्यायाधीश के रूप में पारिवारिक और दीवानी विवादों का निस्तारण कर रहे हैं। इन अधिकारियों की विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता और लंबा न्यायिक अनुभव हाईकोर्ट के दैनिक कामकाज में बेहद उपयोगी साबित होगा।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में स्वीकृत पदों की तुलना में कार्यरत जजों की संख्या कम होने से अदालतों पर मुकदमों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा था। राज्य के विभिन्न जिला न्यायालयों से प्रशासनिक और न्यायिक अनुभव रखने वाले अधिकारियों को पदोन्नत कर हाईकोर्ट भेजने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और परामर्शदाता जजों की सिफारिशों, खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट तथा अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड का गहन परीक्षण करने के बाद इन तीन नामों को मंजूरी दी है। इससे पहले भी राज्य न्यायपालिका के वरिष्ठ अधिकारियों को हाईकोर्ट में जज नियुक्त कर न्यायिक व्यवस्था को संतुलित करने का प्रयास किया जाता रहा है।

बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने फैसले का किया स्वागत

बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के इस फैसले का स्वागत किया है। उच्च न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, कॉलेजियम की सिफारिश अब केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय को भेजी जाएगी। राष्ट्रपति भवन से आधिकारिक स्वीकृति मिलने और वारंट ऑफ अपॉइंटमेंट जारी होने के बाद बिलासपुर हाईकोर्ट में नए न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। न्यायविदों का मानना है कि जिला स्तर पर सिविल, क्रिमिनल और फैमिली लॉ में वर्षों तक काम कर चुके जजों की नियुक्ति से अपीलीय मुकदमों की सुनवाई में गुणवत्ता और तेजी दोनों देखने को मिलेगी।

हाईकोर्ट में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से प्रदेश भर के मुकदमों के त्वरित निस्तारण पर सकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में बिलासपुर हाईकोर्ट में हजारों दीवानी, आपराधिक, रिट याचिकाएं और पारिवारिक अपीलें लंबित हैं, जिससे पक्षकारों को तारीखों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। नए जजों के कार्यभार संभालने से नई पीठों का गठन संभव हो सकेगा, जिससे दैनिक कॉज लिस्ट में शामिल मुकदमों की सुनवाई तेजी से होगी। इसका सबसे बड़ा फायदा उन गरीब और आम पक्षकारों को मिलेगा जो वर्षों से अपने मामलों में न्याय मिलने की आस लगाए हुए हैं।

सेजेस अंबेडकर में 76 बालिकाओं को मिली सरस्वती साइकिल

शिक्षा, राष्ट्रभावना और नशामुक्त का विधायक अमर अग्रवाल ने दिया संदेश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। विधायक अमर अग्रवाल ने मंगलवार को शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन, राष्ट्रभावना, नशामुक्त समाज, विद्यालय विकास, संगठन की मजबूती और जनसेवा से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे।

सरस्वती साइकिल योजना से बालिका शिक्षा को बढ़ावा

सत्यम टॉकीज चौक स्थित स्वामी आत्मानंद डॉ. बी.आर. अंबेडकर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित की। उन्होंने कहा कि इस योजना से बालिकाओं की विद्यालय तक पहुंच आसान हुई है और ड्रॉपआउट कम करने में मदद मिली है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2004 में बालिकाओं को विद्यालय आने-जाने के लिए साइकिल उपलब्ध कराने की पहल की थी, जिसे बाद में अन्य राज्यों ने भी अपनाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार है तथा युवा पीढ़ी देश के भविष्य की निर्माता है।

विद्यार्थियों के साथ 'वंदेमातरम' का सामूहिक गायन

'वंदेमातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विधायक ने विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति गौरव, समर्पण और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में सहायक हैं।

विद्यालय विकास के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा

कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल ने विद्यालय की अधोसंरचना के विकास के लिए विधायक निधि से 15 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त युवा ही सशक्त भारत की मजबूत नींव बन सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बाल कैबिनेट को शपथ दिलाते हुए विद्यालय के विकास में विद्यार्थियों की भागीदारी और जिम्मेदारी के महत्व पर भी जोर दिया।

'भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा?' सवाल पर विद्यार्थियों से संवाद

विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान एक छात्र ने विधायक से पूछा कि भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा? इसके जवाब में अमर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से ज्ञान, व्यक्तित्व और जीवन-मूल्यों का विकास करना चाहिए।

पलेमा के जंगल में मिला नर कंकाल, 7 अगस्त से लापता था 50 वर्षीय व्यक्ति

विश्व केसरी■

गरियाबंद/छुरा (मानसिंह)। छुरा विकासखंड के ग्राम पलेमा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पलेमा के जंगल में एक व्यक्ति का नर कंकाल बरामद हुआ है। मृतक की पहचान भक्तु राम जगत, उम्र करीब 50 वर्ष, के रूप में बताई जा रही है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जंगली जानवर के हमले की आशंका, लेकिन पुष्टि नहीं

ग्रामीणों के अनुसार पलेमा के जंगल क्षेत्र में जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। घटनास्थल से मिले कुछ सामान और परिस्थितियों को देखते हुए ग्रामीण जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रहे हैं। करीब एक सप्ताह बाद केवल नर कंकाल मिलने के कारण यह संभावना भी जताई जा रही है कि शरीर को जंगली जानवरों ने क्षत-विक्षत किया हो। हालांकि, जंगली जानवर के हमले से मौत होने की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम, फोरेंसिक जांच और पुलिस की जांच के बाद ही चल सकेगा।

जानकारी के अनुसार भक्तु राम जगत 7 अगस्त को जंगल की ओर गया था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना नहीं दी। बताया जा रहा है कि वह पहले भी तीन-चार दिनों तक घर से बाहर रहता था और बाद में वापस लौट आता था, जिसके कारण परिजनों को उसके लापता होने की तत्काल आशंका नहीं हुई।

इसी बीच 17 अगस्त को छुरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि पलेमा के जंगल में एक व्यक्ति का नर कंकाल पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही छुरा थाना पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने नर कंकाल को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानलेवा गड्ढे में पलटा ऑटो, मुसाफिरों के लिए चुनौती

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खंडसरा के मुख्य चौराहे से दाढ़ी जाने वाले मार्ग पर इन दिनों सड़क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बुधवार दोपहर सड़क पर बने गहरे गड्ढे में सब्जी लेकर बेमेतरा मंडी जा रहा ऑटो अचानक पलट गया। हादसे में ऑटो में सवार लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन वाहन में रखी पूरी धनिया पत्ती खराब हो गई। वाहन मालिक को इससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

ग्राम सेमरिया निवासी वाहन मालिक राजा सिन्हा ने बताया कि वह ऑटो में धनिया पत्ती लेकर बेमेतरा सब्जी मंडी जा रहे थे। खंडसरा मुख्य चौराहे से दाढ़ी की ओर जाने वाले मार्ग पर पहुंचते ही सड़क पर बने गहरे गड्ढे में ऑटो का पहिया चला गया। अचानक संतुलन बिगड़ने से ऑटो सड़क पर पलट गया। वाहन में बैठे लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हादसे के बाद ऑटो में रखी धनिया पत्ती सड़क पर बिखर गई और काफी मात्रा में सब्जी खराब हो गई।

सड़क खोदकर छोड़ दिया, बारिश में बढ़ी परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार दाढ़ी-खंडसरा मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का काम किया जा रहा है। निर्माण के नाम पर कई हिस्सों में सड़क को खोद दिया गया है, लेकिन बारिश शुरू होने के बाद सड़क पर उभर आए गड्ढों का समय पर मेंटेनेंस नहीं कराया गया। बारिश का पानी गड्ढों में भरने से उनकी गहराई का अंदाजा वाहन चालकों को नहीं लग पाता। ऐसे में आए दिन दोपहिया, ऑटो और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि दाढ़ी से खंडसरा होते हुए आसपास के गांवों को जोड़ने वाला करीब 15 किलोमीटर लंबा मार्ग लंबे समय से बदहाली का शिकार है। वर्तमान में सड़क की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि कई स्थानों पर सामान्य आवागमन भी मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है।

गांवों का बेमेतरा, दुर्ग और रायपुर से संपर्क प्रभावित

इस मार्ग से बड़ी संख्या में ग्रामीण बेमेतरा के अलावा दुर्ग और रायपुर की ओर आवागमन करते हैं। किसानों और सब्जी उत्पादकों के लिए यह सड़क विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ग्रामीण इसी रास्ते से अपनी उपज बेमेतरा मंडी तक पहुंचाते हैं। सड़क खराब होने से जहां वाहनों को नुकसान का खतरा रहता है, वहीं सब्जियों को समय पर मंडी तक पहुंचाना भी चुनौती बन गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान कई जगह सड़क पर कीचड़ और पानी भर जाता है। बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालक जोखिम उठाकर आवागमन करने को मजबूर हैं। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि ग्रामीण अपने गांव से पैदल खंडसरा मुख्य मार्ग तक पहुंचते हैं और वहां से दूसरे साधन मिलने के बाद आगे का सफर करते हैं।

दुर्घटना के बाद भी जिम्मेदारों ने नहीं लिया सबक

बुधवार को ऑटो पलटने की घटना के बाद ग्रामीणों में सड़क निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान आवागमन के लिए सुरक्षित व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

सरपंच ने तालाब में कब्जा कर धान का खेत बनाया, ग्रामीणों का विरोध

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर/दुर्गकोंदल (दीपक शर्मा)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2024-25निर्मित सार्वजनिक तालाब को सरपंच ने कब्जा कर खेत बनाकर धान बुआई किया है। ग्रामीणों ने सरपंच और सरपंच पति के द्वारा सरकारी तालाब में कब्जा कर खेत बनाकर धान बुआई करने की शिकायत ज़िला पंचायत सीईओ से किया था। ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर जिला पंचायत कांकेर के आदेश क्रमांक 3576 दिनांक 13/08/2026 के परिपालन मे 17अगस्त को जांच अधिकारी जनपद दुर्गूकोंदल के पीओ बालकिशन बंजारे और आरईएस विभाग के एसडीओ देवेंद्र हठिले ग्राम तराईघोटिया जांच करने पहुंचे। जांच अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत का मिलान किया और मौका जाकर देखा तो शिकायत सच हुई। सरपंच और सरपंच पति ने 2024-25 में निर्मित तालाब की मेड़ तोड़कर समतल बनाया है। और धान बुआई कर खेती कर रहा है। जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल के पीओ और एसडीओ की जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट लिखा है, कि वर्ष 2024-25 में निर्मित सार्वजनिक तालाब को वर्तमान सरपंच के द्वारा अतिक्रमण कर खेती किया जा रहा है, मौका मुआयना ग्रामीणों के साथ किया गया। जिसमें जांच अधिकारी ने पाया कि सार्वजनिक तालाब की मेड़ को काटकर समतल बनाकर धान बुआई की गई है, तालाब को क्षति पहुंचाकर सार्वजनिक संपत्ति की नुकसान हुई है। यह कार्य वर्तमान सरपंच जबाय नुरूटी के पति जगदेव नुरूटी के द्वारा किया गया है। इधर जांच सही पाये जाने पर ग्रामीणों ने सरपंच को बर्खास्त करने और सरपंच और सरपंच पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की मांग कर रहे हैं। जांच अधिकारी देवेंद्र हठिले ने बताया कि जिला पंचायत कांकेर के आदेश पर आज जांच करने तराईघोटिया पहुंचे थे।

ग्रामीणों की शिकायत सही पाया गया है। सरपंच और सरपंच पति ने मनरेगा से निर्मित सरकारी तालाब पर कब्जा कर धान बुआई किया है। मौके पर पंचनामा तैयार कर किया गया है। जांच रिपोर्ट जिला पंचायत भेजा जायेगा।

जज्बे के सामने उम्र नहीं बनी बाधक

पथरीले रास्तों से तय की मंजिल और सुरक्षित लौटे व मुख्यधारा के कार्यों में जुटे

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। उम्र तो केवल नम्बर मात्र है जज्बा जुनून के आगे आखिरकार हम सब नतमस्तक हो ही जाते है, वाकया इस तरह का सामने देखने को मिला कि, बिलासपुर कुडूदंड 27 खोली निवासी 79 वर्षीय शिवसदन सिंह उर्फ बिहारी दादा की है जो कुछ दिन पहले बिलासपुर से औरंगाबाद जिला के एक गांव 'सल्वां' अपने बच्चों की स्कूटी को इस उम्र में चलाकर अपने गांव पहुंच गया था और उसी स्कूटी से वापस बिलासपुर लौटा है। जब मैने बिहारी दादा से आपबीती घटना के बारे में जानकारी चाही तो उसने बताया कि बात दरअसल यह था कि गांव जाने के लिए बिलासपुर बस स्टैंड गया, बस वाले ने उसे 1700 रु .टिकट खर्च बताया तो उसने सोचा बस का आने जाने का 3400 रु. और वहां के बस स्टैंड से गांव आने जाने का 300 रु.अलग देना होगा, बिहारी दादा सोच में पड़ गया तब उनके दिमाग में आइडिया आया कि क्यों न अपनी स्कूटी से ही गांव जाया जाए और स्कूटी में 700 रु.का तेल डाल दूसरे दिन अपनी पत्नी से बोला रोटी दो समय का बनवाया और सुबह 7 बजे निकल गांव की ओर निकल पड़ा दोपहर कटघोरा के आगे पेड़ की छांव में रोटी खाया और कुछ देर आराम कर पुन: चल पड़ा, अम्बिकापुर से 40 कि.मी . आगे शाम 6बजे एक ढाबे में रुक अपने साथ लाए खाने को खाया और वहीं रात गुजारा और पुन: सुबह 5 बजे मंजिल की ओर चल पड़ा अपने गांव की ओर, अंतत: 12 बजे दोपहर औरंगाबाद पहुंचा और वहीं से अपने गांव 2 बजे पहुंच अपने घर के कार्यक्रम में शरीक भी हो गया। और ठीक वैसे ही 3दिन बाद बिलासपुर के लिए निकल पड़ा और बिलासपुर दूसरे दिन पहुंच अपने आटा चक्की में रोज की भांति काम में लग गया।

बिहारी दादा बहुत ईमानदार और स्वयं की मेहनत पर विश्वास करता है। इसी बात को 27खोली निवासी सीपत के पूर्व विधायक रहे चंद्रप्रकाश बाजपेयी ने उन्हें अपने दुकान को नि:शुल्क दुकान दिया जिसमें आटा चक्की लगा अपनी जीवन की आजीविका 30सालों से चला रहा है, परिवार में पत्नी सहित दो लड़की भी है।

अंतागढ़ में खाद-बीज दुकानों पर एसडीएम की छापामार कार्रवाई, अधिक दर पर डीएपी बिक्री का मामला उजागर

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। खाद एवं बीज दुकानों में रासायनिक खाद को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेचे जाने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) राहुल रजक के नेतृत्व में खाद-बीज दुकानों पर छापामार कार्रवाई की गई।

प्रशासनिक टीम ने क्षेत्र की विभिन्न खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता, बिक्री दर और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। कार्रवाई के दौरान जैन कृषि केंद्र में डीएपी खाद निर्धारित मूल्य से काफी अधिक दर पर बेचे जाने का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि जिस डीएपी खाद की निर्धारित कीमत 1,350 रुपये है, उसे कथित तौर पर 2,400 रुपये में बेचा जा रहा था। इस तरह प्रति बोरी 1,050 रुपये अधिक वसूले जाने का मामला सामने आया। छापामार कार्रवाई की भनक लगते ही कई खाद-बीज दुकानदारों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कुछ दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से चले गए। प्रशासनिक टीम ने दुकानों का निरीक्षण करने के साथ ही खाद बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की।

कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राहुल रजक, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एम.एल. सोरी, कृषि इंस्पेक्टर राजेंद्र सिन्हा सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

इस संबंध में एसडीएम राहुल रजक ने बताया कि क्षेत्र में रासायनिक खाद को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेचने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आज खाद-बीज दुकानों पर छापामार कार्रवाई कर जांच की गई। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद-बीज विक्रेताओं में हड़कंप की स्थिति है। वहीं किसानों से भी अपील की जा रही है कि वे खाद खरीदते समय निर्धारित दर की जानकारी रखें और यदि किसी दुकानदार द्वारा अधिक कीमत वसूली जाती है तो इसकी शिकायत संबंधित कृषि विभाग अथवा प्रशासन से करें।

रामचरितमानस मानस परायण का 15 वाँ वर्ष

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह)। नगर के हृदय स्थल में स्थित राम जानकी मानस मंदिर में सावन महीने का मास परायण 30 जुलाई से प्रारंभ हुआ शिक्षक मानस परिवार द्वारा प्रतिवर्ष श्रावण माह में पूरे दिन रामचरितमानस का मास परायण पाठ विगत 15 वर्षो से करते आ रहे हैं। प्रतिदिन भजन कीर्तन तथा अरण्यास करण्यास के साथ हनुमान चालीसा और मानस में निर्धारित एक विश्राम पाठ किया जाता है पश्चात आरती की जाती है रामचरितमानस तीस विश्राम में विभाजित है विदित हो कि नगर में यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही थी जिसे शिक्षक मानस परिवार द्वारा विगत वर्षों से इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे है जिसमें नगर के सभी भक्त जनों का सहयोग प्राप्त होता है सावन मास शिवशंकर का प्रिय माह है भोलेनाथ प्रभु श्रीराम को अपना ईष्ट मानते हैं सावन में शिव भक्तों द्वारा भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न कर मनौती पूर्ण करने की परंपरा चली आ रही है कोई जल चढ़ा कर, सावन सोमवार उपवास करके, कोई काँवर यात्रा तो कोई तीर्थाटन करके अपने को धन्य करता है। इसी प्रकार राम भक्तों द्वारा रामचरितमानस का पाठ करके अपने को धन्य करने तथा संसार को पवित्र करने का कार्य किया जाता है कहा जाता है कि भोलेनाथ स्वयं सदैव श्रीराम का ध्यान करते हैं जो व्यक्ति पूरे सावन मास में श्रीराम का नाम या रामचरित मानस पाठ करता है उस पर भोलेनाथ की असीम कृपा होती है शिक्षक मानस परिवार के सदस्यों को मानस मंदिर के पुजारी यज्ञेश पांडेय द्वारा विधि विधान से संकल्प कराकर पाठ प्रारंभ कराए। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी प्रति दिन संध्या 6:00 से 7:30 बजे तक पाठ किया जा रहा है नगर के भक्त जनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई थी मानस परिवार के सदस्य जिनमें कामता प्रसाद तिवारी, विनोद कुमार देवांगन, ललित वर्मा, हीरालाल साहू, मनहरण पटेल, ओमप्रकाश यादव, पोषण लाल वर्मा, विमल पुरोहित, पुखराज ठाकुर, घनश्याम सिन्हा, रुपेश कुमार शर्मा, रामकुमार साहू, केशव प्रसाद साहू, कैलाश पटेल रोशन शर्मा, उपेन्द्र पटेल, ओभप्रभा साहू भोला पांडेय हेमंत कंसारी आदि शामिल होकर पाठ में सहभागी बन रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 325 अंक लुढ़का

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 325.78 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,909.68 और निफ्टी 76.60 अंक या 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,078.30 पर था।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.49 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी मीडिया , निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी फार्मा और निफ्टी कंजप्शन भी लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ निफ्टी आईटी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स हरे निशान में बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 130.65 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,408.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 101.70 अंक या 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,707.15 पर था।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाइटन, टीसीएस, इन्फोसिस और ट्रेंट गेनर्स थे। पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, आईटीसी, एचयूएल, बीईएल, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि अमेरिकी फेड की मीटिंग के मिनट्स जारी होने से पहले मार्केट में सतर्कता देखी गई क्योंकि निवेशकों को चिंता है कि महंगाई के खिलाफ फेड सख्त रूख रख सकता है। वहीं, अमेरिका-ईरान सीजफायर खत्म होने के बाद कोई कूटनीतिक समाधान न निकलने से क्रूड ऑयल की कीमतें और बॉन्ड यील्ड ऊंचे बने रहे, जिससे निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि एशियाई बाजारों में कमजोरी के चलते भारतीय इक्विटी में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई, हालांकि वैल्यू बाइंग और कमजोर रुपए के सपोर्ट से आईटी शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वैश्विक तनाव और ऊंचे बॉन्ड यील्ड के दबाव में टूटा सोने-चांदी का भाव, सिल्वर करीब 2 प्रतिशत फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू सर्राफा और वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश की बदलती धारणा के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है, जिसका असर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी साफ दिखाई दिया, जहां सोना 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,350 डॉलर प्रति औंस के नीचे कारोबार करता नजर आया, जबकि हाजिर चांदी करीब 62.8 डॉलर प्रति औंस के आसपास संघर्ष करती रही। वैश्विक बाजारों में आई इस कमजोरी का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा, जिससे निवेशकों में बिकवाली का दबाव बढ़ गया। घरेलू वायदा बाजार में सबसे ज्यादा दबाव चांदी पर देखने को मिला। एमसीएक्स पर सितंबर डिलीवरी वाली चांदी का भाव पिछले कारोबारी सत्र के बंद स्तर 2,32,419 रुपए प्रति किलोग्राम से टूटकर 2,27,931 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर तक आ गया। इस दौरान चांदी में 4,488 रुपए यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह चांदी 1.61 प्रतिशत यानी 3,734 रुपए की गिरावट के साथ 2,28,685 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि व्यापक कमोडिटी कमजोरी और मुनाफावसूली के कारण चांदी में अधिक दबाव देखने को मिला।

इस बीच, सोने की कीमतों में भी कमजोरी बनी रही। एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला गोल्ड फ्यूचर्स 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे फिसल गया, और दिन के कारोबार में यह अपने पिछले बंद 1,54,262 रुपए से 0.55 प्रतिशत यानी 858 रुपए फिसलकर 1,53,404 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज को एक ग्लोबल टेक कंपनी से मिला 75 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कॉन्ट्रैक्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास सेवाएं प्रदान करने वाली एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने बुधवार को घोषणा की कि उसे एक अग्रणी ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी से 75 मिलियन डॉलर (करीब 650 करोड़ रुपए) से अधिक मूल्य का पांच वर्षीय अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) प्राप्त हुआ है। यह सौदा कंपनी की वैश्विक इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी में बताया कि इस परियोजना के तहत वह अपने इंजीनियरिंग इंटेलिजेंस (ईआई) समाधान का उपयोग करते हुए ग्राहक की उत्पाद विकास और इंजीनियरिंग प्रक्रिया को और अधिक दक्ष बनाएगी। यह अनुबंध उत्पाद के संपूर्ण जीवनचक्र में तकनीकी समर्थन और डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित होगा।

एलटीटीएस के अनुसार, इस समझौते में उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, परीक्षण एवं सत्यापन, रखरखाव इंजीनियरिंग, प्लेटफॉर्म संचालन और अन्य डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाएं शामिल हैं। कंपनी अपने उन्नत इंजीनियरिंग इंटेलिजेंस समाधानों की मदद से ग्राहक के लिए एक समर्पित इंजीनियरिंग केंद्र भी स्थापित करेगी, जो उसकी तकनीकी और डिजिटल आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

हालांकि कंपनी ने अनुबंध प्राप्त करने वाली वैश्विक संस्था का नाम सार्वजनिक नहीं किया है, एलटीटीएस ने कहा कि गोपनीयता और संविदात्मक दायित्वों के कारण ग्राहक का नाम उजागर नहीं किया जा सकता। कंपनी ने केवल इतना बताया कि यह अनुबंध एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी द्वारा प्रदान किया गया है और अगले पांच वर्षों में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

यह बड़ा ऑर्डर ऐसे समय मिला है जब एलटीटीएस वैश्विक बाजारों में अपनी इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन और एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार कर रही है। कंपनी लगातार उन्नत तकनीकों पर निवेश बढ़ा रही है और विनिर्माण, प्रौद्योगिकी तथा औद्योगिक क्षेत्रों के ग्राहकों को नई पीढ़ी के समाधान उपलब्ध करा रही है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर भी कंपनी ने हाल ही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एलटीटीएस का समेकित शुद्ध लाभ 17.4 प्रतिशत बढ़कर 352 करोड़ रुपए हो गया। इसी अवधि में कंपनी की आय 11.5 प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपए रही।

फ्री डिलीवरी के लिए जेप्टो ने बढ़ाई न्यूनतम ऑर्डर राशि, अब 199 रुपए से लेकर 299 रुपए तक करना होगा ऑर्डर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। क्विक-कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने फ्री डिलीवरी पाने के लिए न्यूनतम ऑर्डर मूल्य (मिनिमम ऑर्डर वैल्यू) बढ़ा दिया है। कंपनी ने सामान्य समय में इसे 149 रुपए से बढ़ाकर 199 रुपए कर दिया है, जबकि अधिक मांग (पीक डिमांड) के दौरान यह सीमा 299 रुपए तक पहुंच रही है। इस बदलाव के साथ जेप्टो की फ्री डिलीवरी नीति अब प्रतिस्पर्धी कंपनियों ब्लिंकिट और इंस्टामार्ट के समान स्तर पर आ गई है।

ग्राहकों के अनुसार, पहले जहां 149 रुपए के ऑर्डर पर फ्री डिलीवरी मिल जाती थी, वहीं अब सामान्य परिस्थितियों में कम से कम 199 रुपए का ऑर्डर देना होगा। मांग अधिक होने के समय यह न्यूनतम सीमा बढ़कर 299 रुपए तक हो जाती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब क्विक-कॉमर्स कंपनियां अपने कारोबार की लाभप्रदता बढ़ाने और डिलीवरी लागत को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही हैं। बढ़ी हुई न्यूनतम ऑर्डर राशि से ग्राहकों को अपनी खरीदारी सूची में अधिक उत्पाद जोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे औसत ऑर्डर मूल्य बढ़ सकता है और कंपनियों की प्रति ऑर्डर कमाई में सुधार हो सकता है।

हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का असर उन ग्राहकों पर पड़ सकता है जो केवल कुछ आवश्यक वस्तुओं की त्वरित डिलीवरी के लिए छोटे मूल्य के ऑर्डर देते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं की खरीदारी आदतों की परीक्षा अब इस नई व्यवस्था में हो सकती है।

जेप्टो का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है। फ्री डिलीवरी लिमिट को लेकर कंपनियां लगातार अपनी रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं, ताकि ग्राहक बनाए रखने के साथ-साथ लाभप्रदता भी बढ़ाई जा सके।

इस वर्ष मार्च में ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने भी अपनी प्लेटफॉर्म फीस में करीब 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। शुल्क बढ़ाकर प्रति ऑर्डर लगभग 14.90 रुपए कर दिया गया था, जो पहले 12.50 रुपए था।

जोमैटो के बाद स्विगी ने भी अपनी प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई थी। कंपनी ने शुल्क को लगभग 17 प्रतिशत बढ़ाकर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था, जो पहले 14.99 रुपए था।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला : 9,450 करोड़ रुपए की 4 रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

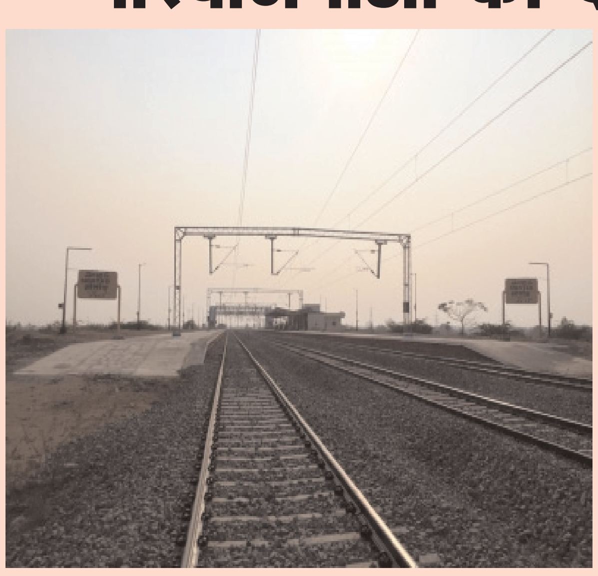

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को देश में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 13,041 करोड़ रुपए की लागत वाली पांच महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी में चार मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाएं और बिहार में एक चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शामिल है। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से परिवहन क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और विभिन्न राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय रेलवे की क्षमता बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत करीब 9,450 करोड़ रुपए है और इन्हें 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 410 किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी, जिससे व्यस्त रेल मार्गों पर ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और माल परिवहन में भी तेजी आएगी।

सबसे बड़ी रेल परियोजना खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन की 173 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिस पर लगभग 3,352 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन परियोजना के लिए 1,583 करोड़ रुपए, गुम्मिडीपुंडी-गुडूर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,229 करोड़ रुपए और कटक-पारादीप तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,286 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ यात्री और मालगाड़ियां अधिक दक्षता से संचालित की जा सकेंगी।

सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल परिवहन सुविधाओं का विस्तार करना नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती यात्री और माल ढुलाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता निर्माण करना भी है। रेलवे नेटवर्क में अतिरिक्त ट्रैक जुड़ने से भीड़भाड़ कम होगी, ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार आएगा और औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलेगा।

इन परियोजनाओं को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत विकसित किया जाएगा, जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

इन रेल मार्गों पर कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लौह एवं इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल और खाद्यान्न जैसे प्रमुख माल की आवाजाही होती है। क्षमता विस्तार से करीब 76 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल ढुलाई होने की उम्मीद है।

भारत का मखाना बाजार 2029-30 तक 12,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना, बढ़ती मांग से किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का मखाना (फॉक्स नट) क्षेत्र आने वाले वर्षों में तेजी से विस्तार करने की राह पर है। केंद्र सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, बढ़ते उत्पादन, मजबूत घरेलू मांग, बेहतर कीमतों और निर्यात में वृद्धि के बल पर देश का मखाना बाजार वर्ष 2029-30 तक 11,000 से 12,000 करोड़ रुपए के आकार तक पहुंच सकता है।

फैक्टशीट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच मखाना उत्पादन में केवल 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन इस अवधि में इसकी औसत कीमत लगभग 500 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 1,250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग, प्रीमियम ब्रांडिंग और सीमित आपूर्ति वृद्धि इसके प्रमुख कारण रहे हैं।

मखाना आज स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कम वसा, उच्च पोषण और पौध-आधारित खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ते रुझान ने इसकी मांग को मजबूत किया है। इसी कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में इसकी खपत बढ़ रही है।

वर्ष 2024-25 में देश का कुल मखाना उत्पादन 63,910 मीट्रिक टन रहा, जबकि औसत उत्पादकता 2.03 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई। वहीं 2025-26 के द्वितीय अग्रिम अनुमान के अनुसार उत्पादन बढ़कर 80,590 मीट्रिक टन तक पहुंचने की संभावना है और उत्पादकता बढ़कर 2.34 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो सकती है।

देश में मखाना उत्पादन के मामले में बिहार सबसे आगे है। वर्ष 2025-26 में राज्य का उत्पादन लगभग 60,000 मीट्रिक टन रहने का अनुमान है।

बिहार में औसत उत्पादकता करीब 2 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर है और यह राज्य राष्ट्रीय उत्पादन का सबसे बड़ा हिस्सा प्रदान करता है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस : माइक्रोन के सेमीकंडक्टर प्लांट को 48 घंटे साप्ताहिक कार्य सीमा के साथ 12 घंटे की शिफ्ट की मंजूरी

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। भारत के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में गुजरात की स्थिति अधिक मजबूत बने, इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिया है। इस निर्णय के अंतर्गत माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साणंद स्थित प्लांट में 12 घंटे की कार्य शिफ्ट चलाने की मंजूरी दी गई है।

गुजरात में इस प्रकार की यह पहली मंजूरी है। राज्य में सेमीकंडक्टर उद्योग को प्रोत्साहन देकर नए रोजगार पैदा होंगे। इस 12 घंटे की शिफ्ट में कर्मचारियों के लिए सप्ताह में कुल कामकाज का समय 48 घंटे ही रहेगा।

यह मंजूरी ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (ओएसएच) कोड, 2020 के प्रावधानों के तहत दी गई है, जो 21 नवंबर, 2025 से समग्र देश में लागू हुआ है। यह कोड राज्य सरकारों को आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के साथ कुछ परिस्थितियों में फैक्ट्रियों को निश्चित प्रावधानों से छूट देने का अधिकार देता है, परंतु यह भी सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों के साप्ताहिक कार्य के घंटे निर्धारित सीमा से अधिक न हों।

गुजरात के श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री कुंवरजी बावलिया ने कहा, ''ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (ओएसएच) कोड का मुख्य उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ कंप्लायंस को प्रोत्साहन देना है। कोड में सप्ताह में अधिकतम 48 घंटे के कामकाज का प्रावधान है, लेकिन उपयुक्त सरकार को फैक्ट्रियों के संदर्भ में छूट देने का अधिकार भी दिया गया है। गुजरात सरकार ने राज्य के व्यापक सार्वजनिक हित, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए इस प्रावधान का उपयोग किया है। बावलिया ने स्पष्टता करते हुए जोड़ा, 'किसी भी औद्योगिक इकाई को कर्मचारियों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट रखने के लिए सरकार की पूर्वानुमति लेना अनिवार्य है। मंजूरी के बिना कोई भी औद्योगिक समूह कर्मचारियों से 12 घंटे की शिफ्ट नहीं करा सकेगा। इस प्रकार का प्रावधान निश्चित उद्योगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया है।गुजरात भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपना नेतृत्व अधिक मजबूत करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे समय में यह मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वैश्विक टेक्नोलॉजी तथा मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अग्रसर बनाने के विजन में सेमीकंडक्टर को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में स्थान दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश का सबसे आकर्षक निवेश केंद्र बना है, जहां फैब्रिकेशन, असेंबली, पैकेजिंग, टेस्टिंग और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निरंतर निवेश हो रहा है।

50 रुपये से शुरू होती है शॉपिंग! देश के 10स्ट्रीट मार्केट जहां बेहद सस्ते दामों में मिलते हैं ट्रेंडी कपड़े और फैशन आइटम

त्योहारों का मौसम आ चुका है और शॉपिंग की तैयारी भी शुरू हो चुकी है! अगर आप कम बजट में ट्रेंडी कपड़े, ट्रेडिशनल ड्रेसेस और स्टाइल का तड़का चाहते हैं, तो भारत के ये 10 मशहूर स्ट्रीट मार्केट्स आपके लिए परफेक्ट हैं. सरोजिनी नगर से लेकर चांदनी चौक और कोलाबा तक, जानिए देश के उन 10 सबसे सस्ते बाज़ारों के बारे में जहाँ शॉपिंग 50 रुपये से शुरू हो सकती है.

त्योहारों का मौसम आ चुका है. इसके साथ ही बाजारों में रौनक और खरीदारी की हलचल भी बढ़ गई है. त्योहारों और शादियों के इस सीजन में हर कोई नए कपड़े, ट्रेंडी आउटफिट्स और ट्रेडिशनल फैशन आइटम खरीदना चाहता है. हालांकि, बड़े ब्रांड्स और बड़े-बड़े शोरूम का रुख करने पर बजट अक्सर बिगड़ जाता है. अगर आप भी बिना जेब खाली किए अपने वार्डरोब को नया और स्टाइलिश लुक देना चाहते हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं है. भारत के अलग-अलग शहरों में ऐसे कई मशहूर और किफायती स्ट्रीट मार्केट्स मौजूद हैं, जहां 50 से 100 रुपये से शॉपिंग की शुरुआत हो जाती है. आइए जानते हैं देश के 10 ऐसे सस्ते और प्रसिद्ध स्ट्रीट मार्केट्स के बारे में, जहां आपको बजट-फ्रेंडली दामों में आपकी पसंद की हर चीज़ मिल जाएगी:

भारत के अलग-अलग शहरों में ऐसे कई मशहूर और किफायती स्ट्रीट मार्केट्स मौजूद हैं, जहां 50 से 100 रुपये से शॉपिंग की शुरुआत हो जाती है.

कपड़ों और फैशन के लिए सबसे सस्?ते और फेमस स्?ट्रीट मार्केट-

सरोजिनी नगर मार्केट, दिल्ली-

दक्षिण दिल्ली में स्थित सरोजिनी नगर मार्केट को अगर फैशन का गढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा. यहाँ वेस्टर्न ड्रेसेस, ट्रेंडी टॉप्स, फुटवियर, बैग्स और होम डेकोर का विशाल कलेक्शन मिलता है. एक्सपोर्ट-सरप्लस कपड़ों के लिए मशहूर इस मार्केट में कपड़ों की शुरुआत मात्र 50 से 100 रुपये से हो जाती है. थोड़ा ध्यान से तलाशने पर यहाँ महंगे इंटरनेशनल ब्रांड्स के कपड़े भी मामूली दामों पर मिल जाते हैं.

चांदनी चौक, दिल्ली-

पुरानी दिल्ली की तंग गलियों में बसा चांदनी चौक पारंपरिक खरीदारी का केंद्र है. अगर आप त्योहारों या शादी-ब्याह के लिए भारी साड़ियां, डिजाइनर लहंगे, एथनिक वियर या ज्वेलरी ढूंढ रहे हैं, तो यह जगह सबसे बेस्ट है. यहाँ होलसेल रेट पर सामान मिलता है. शॉपिंग के साथ-साथ यहाँ की 'पराठे वाली गली' के स्वादिष्ट पकवान आपकी थकावट दूर कर देंगे.

न्यू मार्केट, कोलकाता-

वर्ष 1874 से चला आ रहा कोलकाता का न्यू मार्केट शहर के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शॉपिंग हब में से एक है. 2,000 से ज्यादा स्टॉलों वाले इस बाज़ार में बंगाली कॉटन व सिल्क साड़ियां, आर्टिफिशियल और गोल्ड ज्वेलरी, फुटवियर और बंगाली मिठाइयां बेहद वाजिब दामों में मिलती हैं.

लाड बाज़ार, हैदराबाद-

हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित लाड बाज़ार अपने रंग-बिरंगी और चमकीली लाख की चूड़ियों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है.

बेंबू ट्री को लंबे समय तक हरा-भरा रखने के लिए, जानिये कैसे करें उसकी उचित देखभाल

बेंबू ट्री की देखभाल के लिए सही स्थान, पानी, मिट्टी, खाद और तापमान का ध्यान रखें. सूखी पत्तियों को हटाए और कीट नियंत्रण करें. इन तरीकों से आप अपने इस खास ट्री को हरा-भरा रख सकते हैं.

बेंबू ट्री, जिसे आमतौर पर बांस का पौधा कहा जाता है, घर, बगीचे और कार्यालय की सजावट के लिए बहुत लोकप्रिय है. यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है. यदि इसकी उचित देखभाल की जाए तो यह लंबे समय तक हरा-भरा और स्वस्थ रहता है.

1. सही स्थान का चयन

बेंबू पौधे को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिले, लेकिन सीधे तेज़ धूप न पड़े. अत्यधिक धूप से इसकी पत्तियां पीली पड़ सकती हैं और सूखने लगती हैं. घर के अंदर इसे खिड़की के पास रखना सबसे उपयुक्त रहता है. यदि पौधा बाहर लगाया गया है, तो आंशिक छाया वाली जगह चुनें.

2. पानी देने की सही विधि

बेंबू को नियमित नमी पसंद होती है, लेकिन अधिक पानी इसकी जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है. गमले की मिट्टी को हल्का नम रखें. गर्मियों में सप्ताह में 2 से 3 बार पानी देना पर्याप्त होता है, जबकि सर्दियों में पानी की मात्रा कम कर दें. यदि आपका बेंबू पानी वाले पात्र में लगा है, तो पानी को हर 7 से 10 दिन में बदलना चाहिए ताकि बैक्टीरिया न पनपें.

3. उपयुक्त मिट्टी

बेंबू के लिए अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है. मिट्टी में गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिलाने से पौधे को पर्याप्त पोषण मिलता है. पानी का ठहराव जड़ों को सड़ा सकता है, इसलिए गमले में जल निकासी के छेद अवश्य होने चाहिए.

4. खाद और पोषण

बेंबू की तेज़ वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खाद देना लाभदायक है. हर 2 से 3 महीने में कम्पोस्ट या वर्मीकम्पोस्ट डालें. यदि पौधा घर के अंदर है तो बहुत अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न करें, क्योंकि इससे जड़ें प्रभावित हो सकती हैं.

5. तापमान और आर्द्रता

बेंबू सामान्यत: 18 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में अच्छी तरह बढ़ता है. अत्यधिक ठंड या पाला इसके लिए हानिकारक हो सकता है. यदि वातावरण बहुत शुष्क हो, तो पत्तियों पर हल्का पानी छिड़कें ताकि आर्द्रता बनी रहे और पौधा ताज़ा दिखे.

6. छंटाई और सफाई

समय-समय पर सूखी, पीली या क्षतिग्रस्त पत्तियों को काटते रहें. इससे पौधे की ऊर्जा नई और स्वस्थ वृद्धि में लगती है. पत्तियों पर जमी धूल को भी साफ करते रहें ताकि प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बेहतर ढंग से हो सके।

रसोई में अरबी के पत्तों का उपयोग करने के आसान तरीके, जानिये फायदे भी

अरबी के पत्ते भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं. ये विटामिन ए, सी, कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर होते हैं. इन्हें पतरा, पतोड़, पातरा या अळू वड़ी भी कहते हैं. इसे अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है.

अरबी के पत्ते भारतीय रसोई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. इन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे पतरा, पतोड़, पातरा या अळू वड़ी. ये पत्ते स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर भी होते हैं. इनमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन और फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है. अरबी के पत्तों का सही तरीके से उपयोग करने पर ये भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं.

अरबी के पत्तों की सफाई और तैयारी

अरबी के पत्तों का उपयोग करने से पहले उन्हें अच्छी तरह साफ करना जरूरी है. सबसे पहले पत्तों को साफ पानी से धो लें ताकि उन पर लगी मिट्टी और धूल निकल जाए. इसके बाद उनकी मोटी डंठल को हटा दें. कुछ लोगों को अरबी के पत्तों से गले में खुजली की शिकायत हो सकती है. ऐसा इनमें मौजूद कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण होता है. इसलिए इन्हें पकाते समय इमली, नींबू, दही या अमचूर जैसी खट्टी चीजों का उपयोग करना लाभदायक माना जाता है.

पतोड़ या पातरा बनाने में उपयोग

अरबी के पत्तों का सबसे लोकप्रिय उपयोग पतोड़ या पातरा बनाने में किया जाता है. इसके लिए बेसन में लाल मिर्च, हल्दी, नमक, धनिया पाउडर और इमली का गूदा मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार किया जाता है. फिर एक-एक करके पत्तों पर यह मिश्रण लगाया जाता है।

क्या हर किसी के लिए फायदेमंद है ड्रैगन फुट? इन 5 लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए!

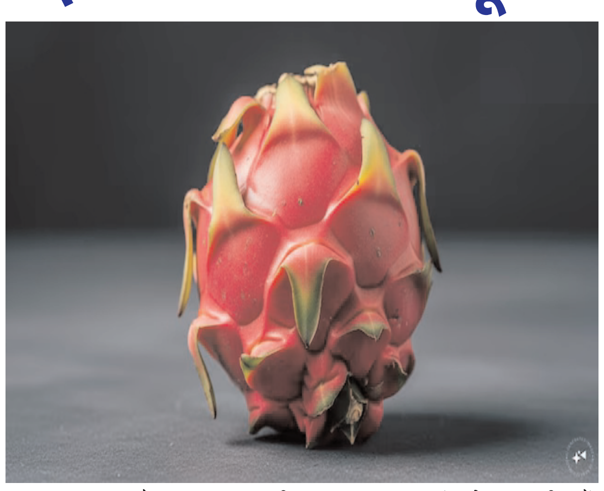

आजकल ड्रैगन फ्रूट काफी लोकप्रिय हो गया है। इसमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह फल हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद हो.

ड्रैगन फ्रूट अपने आकर्षक रंग और हल्के मीठे स्वाद की वजह से हाल ही में काफी लोकप्रिय हो गया है. फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण, इसे अक्सर हेल्दी डाइट का हिस्सा माना जाता है. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि यह हर किसी के लिए सही है. कुछ लोगों को इसे खाने के बाद एलर्जी, पेट खराब होने या अन्य समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए अगर आपको कोई हेल्थ प्रॉब्लम है या आप रेगुलर दवाएं ले रहे हैं, तो इसे अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर या डायटीशियन से सलाह लेना सबसे अच्छा है...

1. एलर्जी वाले लोग

अगर आपको पहले ड्रैगन फ्रूट खाने के बाद एलर्जी हुई है जैसे खुजली, लाल चकत्ते, होंठ या चेहरे पर सूजन, या सांस लेने में दिक्कत तो इसे दोबारा न खाएं. अगर ऐसा कोई रिएक्शन हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं, खासकर अगर सांस लेने में दिक्कत हो या तेज़ी से सूजन आए.

2. संवेदनशील पाचन तंत्र

ड्रैगन फ्रूट में काफी मात्रा में फाइबर होता है. अचानक ज़्यादा मात्रा में खाने से कुछ लोगों को गैस, पेट फूलना, ऐंठन या दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं. अगर आपका पाचन तंत्र संवेदनशील है, तो थोड़ी मात्रा से शुरुआत करना सबसे अच्छा है.

3. पेट खराब

अगर आपको पहले से ही दस्त या पेट खराब होने की समस्या है, तो ज़्यादा फाइबर वाले फल कुछ लोगों की समस्या को बढ़ा सकते हैं. ऐसे में, ड्रैगन फ्रूट कम मात्रा में खाना या कुछ समय के लिए न खाना बेहतर है.

4. ब्लड शुगर

ड्रैगन फ्रूट में नेचुरल शुगर होती है. हालांकि पूरा फल आम तौर पर संतुलित आहार का हिस्सा हो सकता है, लेकिन डायबिटीज वाले लोगों को इसकी मात्रा और अपने पूरे खान-पान का ध्यान रखना चाहिए. अगर आप ब्लड शुगर कम करने की दवा ले रहे हैं, तो किसी भी फल को नियमित रूप से ज़्यादा मात्रा में खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें.

5. किडनी की बीमारी

अगर आपको किडनी की बीमारी या स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं, तो डॉक्टर की बताई डाइट का पालन करना ज़रूरी हो सकता है. ऐसे लोगों को अपनी खास स्थिति के आधार पर फलों की मात्रा तय करनी चाहिए. इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के ज़्यादा मात्रा में ड्रैगन फ्रूट खाना सही नहीं है.

कितना खाना चाहिए?

एक स्वस्थ व्यक्ति आम तौर पर संतुलित मात्रा में ड्रैगन फ्रूट को अपनी डाइट में शामिल कर सकता है. इसे ताज़ा और अच्छी तरह धोकर खाना सबसे अच्छा है।

एसी चलने के बाद भी बच्चे को आता है पसीना? सिर्फ कमरे का तापमान नहीं, इन वजहों पर भी दें ध्यान

बच्चे को रात में पसीना आना अक्सर गर्मी, भारी कपड़ों या बिस्तर की वजह से हो सकता है, लेकिन ठंडे कमरे में भी लगातार बहुत ज्यादा पसीना आए तो दूसरे लक्षणों पर ध्यान दें. खर्राटे, सांस रुकना, बुखार या कमजोरी जैसे संकेत हों तो बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना समझदारी है.

रात में बच्चे की नींद के दौरान माथे, गर्दन या पीठ पर पसीना देखकर अक्सर माता-पिता की पहली चिंता यही होती है कि शायद कमरा ज्यादा गर्म है. गर्मी, भारी कपड़े या मोटी चादर वाकई इसकी वजह हो सकते हैं, लेकिन हर बार कहानी इतनी सीधी नहीं होती. कुछ बच्चों को नींद के दौरान स्वाभाविक रूप से ज्यादा पसीना आता है, जबकि कभी-कभी बेचैनी, बुखार या नींद से जुड़ी दिक्कतें भी इसके पीछे हो सकती हैं. खासकर तब, जब बच्चा ठंडे कमरे में सो रहा हो और फिर भी कपड़े या बिस्तर बार-बार भीग जाएं.

ऐसे में सिर्फ एसी या पंखे का तापमान बदलना पर्याप्त नहीं है. बच्चे के दूसरे लक्षणों और पसीने के पैटर्न पर भी ध्यान देना जरूरी है.

बच्चे को रात में पसीना आने की आम वजहें

हर रात थोड़ा पसीना आना अपने आप में किसी बीमारी का संकेत नहीं माना जाता. बच्चों की नींद के दौरान शरीर का तापमान बदलता रहता है और कुछ बच्चों में पसीना ज्यादा दिखाई दे सकता है. इसके अलावा मौसम में उमस, सिंथेटिक कपड़े, बहुत ज्यादा लेयरिंग या गर्म बिस्तर भी शरीर को ज्यादा गर्म कर सकते हैं।

रक्षाबंधन पर बहन के साथ इन 6 जगहों का करें ट्रिप प्लान, यात्रा बन जाएगी यादगार!

अगर आप भी इस रक्षाबंधन पर अपनी बहन को कोई अनोखा और यादगार तोहफ़ा देना चाहते हैं, तो क्यों न उनके साथ एक शानदार ट्रिप प्लान करें? आइए जानते हैं 6 ऐसी जगहों के बारे में, जहां भाई-बहन मिलकर शानदार समय बिता सकते हैं.

रक्षाबंधन सिर्फ़ राखी बांधने और तोहफ़े देने-लेने का त्योहार नहीं है; यह भाई-बहन के रिश्ते को और मज़बूत बनाने का एक खास मौका भी है. अगर आप इस बार अपनी बहन को कोई अनोखा और यादगार तोहफ़ा देना चाहते हैं, तो क्यों न साथ में किसी खूबसूरत जगह घूमने का प्लान बनाएं? साथ यात्रा करने, नई जगहों को देखने और ढेर सारी तस्वीरें खींचने से इस त्योहार की यादें लंबे समय तक ताज़ा बनी रह सकती हैं. आइए ऐसी 6 जगहों के बारे में जानते हैं जहां भाई-बहन साथ में शानदार समय बिता सकते हैं...

उदयपुर, राजस्थान

'झीलों का शहर' उदयपुर, अपने भाई या बहन के साथ घूमने के लिए एक शानदार जगह है. आप सिटी पैलेस, पिछोला झील और शहर की खूबसूरत गलियों को देख सकते हैं. झील के किनारे शाम बिताना या सूर्यास्त देखना इस यात्रा को और भी खास बना देता है.

ऋषिकेश, उत्तराखंड

अगर आपकी बहन को एडवेंचर पसंद है, तो ऋषिकेश एक बेहतरीन विकल्प है. यहां रिवर राफ्टिंग, कैफे में घूमने और गंगा किनारे शांति से पल बिताने के मौके मिलते हैं. हालांकि, मानसून के दौरान राफ्टिंग और नदी से जुड़ी दूसरी गतिविधियां मौसम और स्थानीय प्रशासन के नियमों पर निर्भर करती हैं.

जयपुर, राजस्थान

राजस्थान की राजधानी जयपुर अपने इतिहास, संस्कृति और खाने-पीने के लिए मशहूर है. आमेर किला, हवा महल और सिटी पैलेस जैसी जगहों को देखने के साथ-साथ, आप पारंपरिक मिठाइयों और असली राजस्थानी सब्ज़ी-व्यंजनों का मज़ा ले सकते हैं. भाई-बहनों के लिए यह एक मज़ेदार सांस्कृतिक यात्रा हो सकती है.

गोवा

अगर आप दोनों को समुद्र और बीच पसंद हैं, तो गोवा एक बेहतरीन विकल्प है. आप समुद्र तट पर टहल सकते हैं, स्थानीय बाज़ारों में घूम सकते हैं और कई तरह के कैफे देख सकते हैं. अगर मानसून के दौरान जा रहे हैं, तो पानी से जुड़ी गतिविधियां चुनते समय समुद्र के हालात का ध्यान रखें.

मनाली, हिमाचल प्रदेश

पहाड़ों के नज़ारे पसंद करने वालों के लिए मनाली एक शानदार जगह है. आप मॉल रोड जा सकते हैं, ओल्ड मनाली के कैफे देख सकते हैं और आस-पास की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं. अगर मानसून में यात्रा कर रहे हैं, तो पहाड़ी रास्तों पर जाने से पहले मौसम और सड़कों की स्थिति ज़रूर देख लें.

पांडिचेरी

अगर आप शांत और अनोखा माहौल चाहते हैं, तो पांडिचेरी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. फ्रेंच-स्टाइल की इमारतें, समुद्र का किनारा, कैफे और शांत गलियां इसे खास बनाती हैं. यहां आप अपनी बहन के साथ साइकिलिंग और फोटोशूट जैसी गतिविधियों का मज़ा ले सकते हैं।

रुबीना दिलैक ने याद किया 'खतरों के खिलाड़ी' का सफर, बोलीं- 'हर दिन लगता था कि अब आगे क्या होगा?'

मुंबई। टीवी की दुनिया में रुबीना दिलैक अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। छोटे पर्दे पर डांस से लेकर खतरनाक स्टंट तक, उन्होंने हर जगह अपनी क्षमता दिखाई हैं। इस कड़ी में उन्होंने बुथवार को अपने पुराने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया पर साझा किया हैं।

> हर दिन इस सवाल के साथ भरा होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन हमारे दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे।

EXCLUSIVE

रुबीना का स्टाइल और अंदाज

पोस्ट में रुबीना का फैशन स्टाइल भी देखने को मिल रहा हैं। उनका आत्मविश्वास और पॉजिटिव एनर्जी फैंस को खूब पसंद आ रही है।

विश्व केसरी ■

रुबीना ने शो के दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो एक साथ शेयर किए। इनमें उनके स्टंट, दोस्तों के साथ बिताए पल और शो के दौरान उनका अलग अंदाज देखने को मिला।

रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें तस्वीरें और कुछ छोटे-छोटे क्लिप्स शामिल हैं। इस वीडियो में वह अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ वीडियो में वह शो के मुश्किल स्टंट करती नजर आती हैं। पोस्ट में उनका फैशन स्टाइल भी देखने को मिल रहा है।

इन तस्वीरों के साथ रुबीना ने लिखा, ''हर दिन इस सवाल के साथ भरा होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन हमारे दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे।

'खतरों के खिलाड़ी' ऐसा रियलिटी शो है, जिसमें मनोरंजन की दुनिया से जुड़े सितारे अपने डर का सामना करते हैं। शो में कंटेस्टेंट्स को ऐसे स्टंट दिए जाते हैं, जिनमें कई बार ऊंचाई, पानी, रफ्तार और अलग-अलग तरह की मुश्किल परिस्थितियां शामिल होती हैं। हर स्टंट के दौरान कलाकारों को अपने डर पर काबू पाना पड़ता है। यही वजह है कि शो में सिर्फ शारीरिक ताकत ही नहीं, बल्कि हिम्मत और दिमाग का इस्तेमाल भी जरूरी होता है।

भारत में इस शो की शुरुआत 'फियर फैक्टर इंडिया' के नाम से हुई थी। बाद में इसे 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। शो का पहला सीजन 21 जुलाई 2008 को आया था। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ 'खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया' भी शुरू किया गया था। शो के पिछले सीजन यानी 'खतरों के खिलाड़ी 14' की शूटिंग रोमानिया में हुई थी। इस सीजन के विजेता करणवीर मेहरा रहे थे, जबकि कृष्णा श्रॉफ रनर-अप बनी थीं।

रुबीना दिलैक के करियर की बात करें तो उन्होंने टीवी पर अपनी शुरुआत 'छोटी बहू' से की थी। इस शो में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया और वह जल्द ही घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' और 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' जैसे कई शोज में काम किया।

'शक्ति' में रुबीना के किरदार को खास लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने रियलिटी शोज की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई।

वह 'बिग बॉस 14' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया।

रुबीना ने फिल्मों में भी कदम रखा।

साल 2022 में उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ फिल्म 'अर्ध' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया।

गोविंदा से विवाद के बीच बांद्रा फैमिली कोर्ट पहुंचीं सुनीता आहूजा, बेटे यशवर्धन ने पैपराजी पर जताई नाराजगी

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहा सार्वजनिक विवाद एक बार फिर चर्चा में है। बुधवार को सुनीता आहूजा अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ मुंबई के बांद्रा फैमिली कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट से बाहर निकलते समय पैपराजी ने जब मां-बेटे को घेरने की कोशिश की, तो यशवर्धन नाराज नजर आए। उन्होंने फोटोग्राफर्स से रास्ता देने और अपनी मां को परेशान न करने के लिए कहा।

कोर्ट से बाहर निकलते समय जब यशवर्धन से पूछा गया कि अंदर क्या हुआ, तो उन्होंने तेज आवाज में कहा- ''कुछ नहीं''। वहीं, जब सुनीता से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''बर्थडे मनाने आए थे।''

दोनों के कोर्ट पहुंचने की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद एक बार फिर गोविंदा और सुनीता के रिश्ते को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

दरअसल, गोविंदा और सुनीता के बीच चल रही अनबन तब ज्यादा चर्चा में आई, जब गोविंदा को उनकी फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया। इसके बाद सुनीता ने गोविंदा और कोमल की नजदीकी को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने गोविंदा के साथ नजर आ रही अभिनेत्री को लेकर भी नाराजगी जताई थी।

सुनीता ने एक बातचीत में गोविंदा को 'शुगर डैडी' तक कह दिया था। उन्होंने कहा था कि वह ऐसी लड़की के साथ घूम रहे हैं, जो उनकी बेटी की उम्र की है। इसके अलावा, उन्होंने कोमल के पहनावे पर भी टिप्पणी की थी और उन्हें ठीक से कपड़े पहनने की सलाह दी थी। हालांकि, गोविंदा और कोमल के बीच किसी प्रेम संबंध की कोई पुष्टि नहीं हुई है। गोविंदा ने अपने इस रिश्ते को पूरी तरह पेशेवर बताया। इसके बाद गोविंदा ने एक वीडियो के जरिए सुनीता की बातों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने उनसे अपने काम में दखल नहीं देने और ऐसी बातें नहीं कहने को कहा था, जिससे उनकी छवि या काम पर असर पड़े। उम्र के अंतर को लेकर उठ रहे सवालों पर गोविंदा ने कहा था कि बॉलीवुड में पहले भी कई बड़े अभिनेताओं ने खुद से कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ काम किया है। किसी फिल्म में साथ काम करने को सीधे रिश्ते से जोड़ना सही नहीं है। गोविंदा ने सार्वजनिक तौर पर बोलते समय सुनीता को भाषा का ध्यान रखने की सलाह भी दी थी। उन्होंने खास तौर पर गाली-गलौज और अपशब्दों के ज्यादा इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी।

जूनियर एनटीआर ने अपने पेट डॉग बघीरा की याद में लगाया पेड़, शेयर कीं इमोशनल पोस्ट

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपस्टार जूनियर एनटीआर का पेट डॉग बघीरा अब इस दुनिया में नहीं है। अभिनेता ने बुधवार को उसे याद करते हुए खास सोशल मीडिया पर खास पोस्ट किया। साथ ही, उसे अपने परिवार का अहम हिस्सा बताया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे उसे प्यार करते और दुलारते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि बघीरा के जाने से उनके घर में गहरा सन्नाटा और खालीपन आ गया है, जिसे वह शब्दों से बयां नहीं कर सकते।

जूनियर एनटीआर ने बघीरा की याद में एक पेड़ भी लगाया है, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपनी पोस्ट में भी साझा कीं। अभिनेता जूनियर एनटीआर ने लिखा, 'बघीरा, तुम मेरी दुनिया में एक साथी की तरह आए और देखते ही देखते परिवार का अहम हिस्सा बन गए, इतने दिनों में तुमने परिवार को प्यार, वफादारी, शरारत और एक ऐसे आराम से भर दिया था, जिसे सिर्फ तुम ही दे सकते थे। तुम्हारी गैरमौजूदगी एक ऐसी खामोशी छोड़ जाती है जो बहुत बड़ी लगती है, लेकिन तुम्हारे पीछे छोड़ा गया प्यार भी उतना ही बड़ा लगता है।'

उन्होंने आगे अपने पेट डॉग बघीरा, को शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'बघीरा, मुझे चुनने, मेरे साथ चलने और इन चार सालों को और भी खूबसूरत बनाने के लिए शुक्रिया। आजाद होकर दौड़ो, मेरे छोटे बच्चे। इतने सालों में हमने तुम्हें बहुत प्यार किया गया था और हमेशा किया जाएगा।'

अभिनेता जूनियर एनटीआर जल्द ही आगामी पैन-इंडिया एक्शन फिल्म 'ड्रैगन' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन 'केजीएफ' और 'सालार' फेम निर्देशक प्रशांत नील कर रहे हैं।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा, बोलीं- अब न्यूयॉर्क ही घर

विश्व केसरी ■

मुंबई। हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।'

पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं।

अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं।

पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।'

अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।

एटली ने 'द ओडिसी' को बताया 'सिनेमा से परे अनुभव', कहा-ये फिल्म आपको दूसरी दुनिया में ले जाती है

विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' रिलीज होने के बाद से दर्शकों का दिल जीतने के साथ-साथ बॉक्सऑफिस में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। बुधवार को निर्देशक एटली ने भी फिल्म और निर्देशक के शानदार काम की जमकर सराहना की।

निर्देशक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक नोट शेयर किया और फिल्म को 'सिनेमा से परे शानदार अनुभव' बताया। एटली ने लिखा, 'कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिन्हें आप बस देखते हैं, तो कुछ ऐसी कि जिनकी आप सिर्फ तारीफ करते हैं और कुछ आपको एक ऐसी होती हैं, जो आपको एकदम से ही दूसरी दुनिया में लेकर जाती हैं। 'द ओडिसी' ने मेरे लिए ऐसी ही है।'

एटली ने क्रिस्टोफर नोलन की सराहना करते हुए लिखा, 'इस फिल्म का चित्रण अपनी बोली बोलती है, कैमरा भी एक किरदार जैसा लगता है, जो कहानी सुनाता है और लुडविग का म्यूजिक सिर्फ फिल्म के साथ नहीं चलता बल्कि वो सीधा आपकी धड़कनों में उतर जाता है।'

उन्होंने लिखा, 'सिनेमा में बैठकर ऐसा रोमांच और अहसास मैंने बहुत कम महसूस किया है लेकिन सबसे ज्यादा जो मेरे साथ रहा वो बहुत पर्सनल था। जब आप दर्शक के तौर पर पूरी तरह इस फिल्म के हवाले हो जाते हो, यही एक सच्ची एपिक फिल्म होती है। मेरे लिए 'द ओडिसी' बिल्कुल वैसी ही थी।'

एटली ने फैंस से गुजारिश करते हुए कहा कि फिल्म 'द ओडिसी' को आईमैक्स पर जरूर देखें। उन्होंने लिखा, 'फिल्म को अपने चारों तरफ महसूस करें, इसे अपने ऊपर हावी होने दो, बस इसे तुम्हें कहीं और ले जाने दो। कुछ सिनेमा देखने के लिए होता है। कुछ सिनेमा जीने के लिए होता है।'

प्रसिद्ध निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की महाकाव्य फिल्म 'द ओडिसी' 17 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। प्राचीन यूनानी कवि होमर के लगभग 3000 साल पुराने प्रसिद्ध महाकाव्य पर आधारित यह फिल्म युद्ध, अपराध-बोध और घर वापसी की एक गहरी भावनात्मक कहानी बयां करती है।

बड़े पर्दे पर घर जैसा फील होने में सिर्फ 100 दिन शेष, राजश्री ने किया 'ये प्रेम मोल लिया' का काउंटडाउन

विश्व केसरी ■

मुंबई। मशहूर निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्मों में भव्य शादियों, गहरे पारिवारिक रिश्तों और सादगीपूर्ण प्रेम कहानियों का सुंदर मेल देखने को मिलता है। इसी परंपरा को बरकरार रखते हुए निर्देशक म्यूजिकल फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' लेकर आ रहे हैं।

बुधवार को फिल्म के निर्माता, राजश्री प्रोडक्शन हाउस, ने इंस्टाग्राम के माध्यम से फिल्म का काउंटडाउन किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक घड़ी की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'बड़े पर्दे पर घर जैसा फील होने में सिर्फ 100 दिन बाकी हैं। हिमेश रेशमिया का म्यूजिकल, आयुष्मान खुराना और शरवरी स्टारर 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर से सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। सूरज बड़जात्या की फिल्में शुद्ध पारिवारिक, भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़ी होती हैं, जिन्हें बिना किसी फूहड़ता या हिंसा के पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकता है। बहुप्रतीक्षित पारिवारिक और म्यूजिकल फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, उनके साथ अनुपम खेर, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन और सुप्रिया पाठक सह-कलाकार के रूप में नजर आएंगे।

राजश्री प्रोडक्शन हाउस और महावीर जैन फिल्म्स मिलकर फिल्म के निर्माण कार्य का काम संभाला है। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म के जरिए 12 साल बाद पर्दे पर 'प्रेम' नाम के किरदार की वापसी हो रही है।

फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और वर्तमान में यह पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है। हालांकि, कुछ समय पहले अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया के जरिए शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी थी। हिमेश रेशमिया ने फिल्म का संगीत दिया, जो 12 साल बाद सूरज बड़जात्या के साथ फिर जुड़े हैं।

दोनों की आखिरी पार्टनरशिप 2014 की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में थी, जिसमें सलमान खान, सोनम कपूर, नील नितिन मुकेश, स्वरा भास्कर, अनुपम खेर और दूसरे एक्टर्स ने अहम रोल निभाए थे। यह फिल्म अपनी भव्यता, पारंपरिक उत्सवों और पारिवारिक मूल्यों के संदेश के लिए जानी जाती है।

इसका टाइटल ट्रैक और अन्य गाने काफी लोकप्रिय हुए थे। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। साल 2015 की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही।

रक्षा संबंधों को मजबूत करने और 'मेक इन इंडिया' पहल पर भारत और जापान के बीच होगी वार्ता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी बुधवार को भारत पहुंचे हैं। यहां अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी ने 19 अगस्त को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के साथ बातचीत की। इसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 अगस्त को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

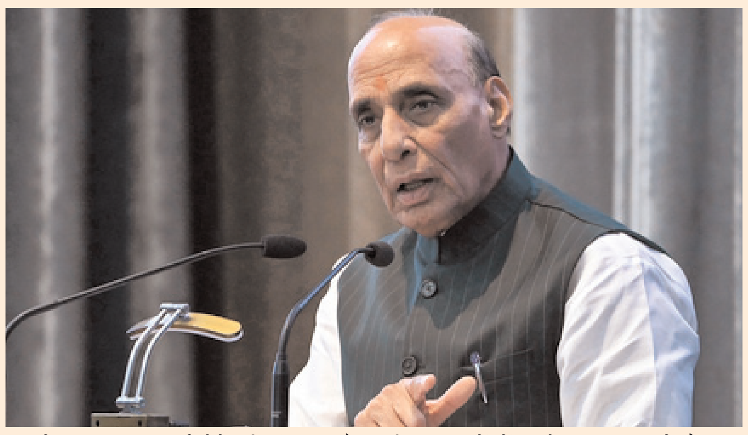

गौरतलब है जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी की यह पहली भारत यात्रा है। दोनों नेताओं की बैठक में भारत-जापान रक्षा संबंधों को और मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उपायों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। बैठक के दौरान दोनों रक्षा मंत्री समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने तथा 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

जापान द्वारा रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से संबंधित अपने तीन सिद्धांतों में संशोधन किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने के लिए बैठक में आगे की कार्ययोजना और नए सहयोग क्षेत्रों की पहचान किए जाने की संभावना है। बुधवार को पश्चिमी नौसेना कमान की यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल को भारतीय नौसेना की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी नौसेना कमान पहुंचने पर शिंजिरो कोइज़ुमी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

इससे पहले उन्होंने नौसेना डॉकयार्ड में स्थित गौरव स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस चेन्नई का भी दौरा किया। यह दौरा भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और समुद्री शक्ति से जापानी प्रतिनिधिमंडल को परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला, लचीला और समृद्ध बनाने की साझा दृष्टि रखते हैं। दोनों देश समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के समकक्ष बालाकृष्णन से की मुलाकात

विश्व केसरी

सिंगापुर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने बुधवार को दोनों देशों के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' (कॉम्प्रीहेंसिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप) को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की और साथ ही मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया।

बैठक के बाद, विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, 'सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मिलकर खुशी हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर उनकी राय भी मेरे लिए महत्वपूर्ण है। गुरुवार को होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री-स्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) के दौरान उनके साथ और बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।'

विदेश मंत्री जयशंकर और बालाकृष्णन ने सिंगापुर में भारत के उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स (दूतावास परिसर) की आधारशिला भी रखी।

विदेश मंत्री ने विश्वास जताया कि यह कार्यालय दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण का प्रतीक बनेगा और सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लिए समर्थन को मजबूत करेगा। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ मिलकर भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी। मुझे विश्वास है कि यह कॉम्प्लेक्स भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए युग को दर्शाएगा और भारतीय समुदाय के लिए सेवाओं को और मजबूत करेगा।'

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो और यूएई के सुरक्षा प्रमुख की फोन पर बातचीत

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात ने क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अपने राजनयिक तालमेल को मजबूत किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने ईरान, लेबनान और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने वाशिंगटन और अबू धाबी के बीच निरंतर समन्वय पर भी बात की। बातचीत में सबसे अहम मुद्दा ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों की गतिविधियां रहीं। बयान के मुताबिक, दोनों देशों ने ईरान और उसके आतंकी सहयोगियों को लगातार हो रहे हमलों के लिए जवाबदेह ठहराने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किन हमलों की बात हो रही है और अमेरिका-यूएई मिलकर क्या कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। रुबियो ने होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह मुद्दा क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति होती है।

नॉन न्यूक्लियर पॉलिसी को लेकर पीएम कार्यालय ने गठबंधन के साथी को दिया सुझाव

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जापान इनोवेशन पार्टी (जेआईपी) से देश के लंबे समय से चले आ रहे नॉन-न्यूक्लियर (गैर-परमाणु) सिद्धांतों पर फिर से सोचने के लिए 'एक कदम और आगे बढ़ने' को कहा है।

जापान के तीन नॉन-न्यूक्लियर सिद्धांतों का मतलब है 'देश में न्यूक्लियर हथियार न रखना, न बनाना और न लाने की इजाजत देना।' इस साल जून में, सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) गठबंधन के सबसे छोटे (संख्या के आधार पर) साथी जेआईपी ने देश के तीन खास सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट्स में बदलाव करने के लिए प्रधानमंत्री साने ताकाइची को एक प्रस्ताव दिया था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में जापान में न्यूक्लियर हथियार न लाने की इजाजत देने के सिद्धांत का 'यथार्थवादी समीक्षा' करने की बात कही गई थी। मेनिची शिंबुन की एक रिपोर्ट में जेआईपी के एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'एलडीपी पर हर तरह के बोझ हैं, और कुछ बातें ऐसी हैं जो वह खुद नहीं कह पा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि हम चाहते हैं कि आप एक कदम और आगे बढ़ें।' प्रस्ताव में कहा गया कि अमेरिका के 'एक्सटेंडेड न्यूक्लियर डिटरेंस' यानी विस्तारित परमाणु सुरक्षा कवच का असर बढ़ाने के लिए जापान को अमेरिका से सलाह-मशविरा करना चाहिए और जरूरी कदम उठाने चाहिए। यह भी पता चला कि प्रस्ताव पेश करने से पहले, जेआईपी के कई वरिष्ठ जनों, जिनमें सह प्रतिनिधि फुमिताके फुजिता भी शामिल थे।

उत्तर कोरिया ने दी 'आत्मरक्षा' की चेतावनी, ट्रंप के सैन्य अभ्यास घटाने के आदेश का नहीं दिखा असर

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच दूरी को पाटना चाहते हैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी ओर सोल भी चाहता है कि प्योंगयांग से रिश्ते सामान्य हों लेकिन नॉर्थ कोरिया फिलहाल इन बातों की फिक्र नहीं कर रहा है। उसने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' (यूएफएस) की आलोचना करते हुए चेतावनी दी है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के अधिकार का इस्तेमाल करेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने सैन्य अभ्यास की अवधि और दायरा कम करने का फैसला किया है।

योनहाप ने बताया कि उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, प्योंगयांग ने अभ्यास को दुश्मन देशों की ओर से किए जा रहे आक्रामक सैन्य अभ्यास करार दिया और कहा कि वह अपने खिलाफ सैन्य खतरे को पूरी

तरह निष्प्रभावी करने के लिए कदम उठाएगा।

उत्तर कोरिया ने ट्रंप के हालिया आदेश का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक सैन्य अभ्यास सोमवार से शुरू हुआ था और इसे 27 अगस्त तक चलना था। अब दोनों देशों ने इसे शुक्रवार को ही समाप्त करने का फैसला किया है। इसके अलावा, अभ्यास के तहत होने वाले कुछ मैदानी प्रशिक्षणों में भी कटौती की जाएगी।

ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा था कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास महंगे हैं और उत्तर कोरिया के प्रति गलत संदेश देते हैं। उन्होंने अपने और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच अच्छे संबंधों का भी हवाला दिया था। उत्तर कोरिया लंबे समय से इन सैन्य अभ्यासों को अपने खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के तौर पर देखता रहा है।

प्योंगयांग का कहना है कि अभ्यासों का स्वरूप लगातार अधिक वास्तविक युद्ध की तैयारी जैसा होता जा रहा है। इस बीच, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने अभ्यास में कटौती के बावजूद अपनी संयुक्त रक्षा क्षमता और सैन्य समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया है।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने बुधवार को संसद में बताया कि सोल को ट्रंप के सैन्य अभ्यास घटाने के निर्देश की पहले से जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी अधिकारी भी ट्रंप की सोशल मीडिया घोषणा से पहले इससे अवगत नहीं थे।

बलोच नेताओं की ट्रंप से अपील, 'बलूचिस्तान पर बम बरसाने वाले पाकिस्तान से अमेरिका मांगे जवाब'

विश्व केसरी

वाशिंगटन। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गुजारिश की है कि वो बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के हालिया हवाई हमले का संज्ञान लें और तुरंत दखल दें। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 30 से ज्यादा आम नागरिक मारे गए थे।

ट्रंप को लिखे अपने पत्र में चंद ने कहा, 'हम सम्मानपूर्वक आपके प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह इन गंभीर आरोपों की जांच करे और यह पता लगाए कि क्या इस कथित ऑपरेशन में अमेरिका में बने किसी विमान, हथियार, ड्रोन, टेक्नोलॉजी, पुर्जों या अन्य सैन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था।'

बलोच समुदाय की ओर से उन्होंने अमेरिकी प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि वह सुराब में हुए कथित हवाई हमलों और आम नागरिकों की मौत की जांच करे, यह पता लगाए कि क्या इसमें अमेरिका में बने सैन्य उपकरणों या टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ था, और पाकिस्तान को सप्लाई किए गए संबंधित अमेरिकी रक्षा उपकरणों के 'एंड-यूज' (अंतिम उपयोग) और नियमों के

पालन की उचित समीक्षा करे। चंद ने अमेरिकी अधिकारियों से यह भी मांग की कि अगर अमेरिकी हथियारों के ट्रांसफर संबंधी शर्तों का उल्लंघन हुआ है तो किसी एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराएं और जवाबदेही तय करें। साथ ही, अगर विश्वसनीय सबूतों से यह साबित होता है कि ऐसे उपकरणों का बलोच नागरिकों के खिलाफ गलत इस्तेमाल किया गया था, तो संबंधित अमेरिकी सैन्य सहायता या ट्रांसफर की समीक्षा की जाए। पत्र में कहा गया, 'राष्ट्रपति, बलोच बच्चे की जान भी दुनिया के किसी भी बच्चे की जान जितनी ही कीमती है। हम अमेरिका से सबूतों के बारे में पहले से कोई राय बनाने के लिए नहीं कह रहे हैं – हम आपके प्रशासन से सच्चाई का पता लगाने, नागरिकों की सुरक्षा करने और जवाबदेही तय करने के लिए कह रहे हैं।

एफबीआई का दावा, अमेरिका में हिंसक अपराधों में आई रिकॉर्ड गिरावट

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस द्वारा जारी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के विस्तृत आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अमेरिका में हिंसक अपराध दर में पिछले लगभग नौ दशकों में साल-दर-साल सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसमें हत्याओं और डकैतियों की घटनाओं में भारी कमी आई।

एफबीआई के यूनिफॉर्म क्राइम रिपोर्टिंग प्रोग्राम के अनुसार, 2024 की तुलना में हिंसक अपराधों में अनुमानित 9.3 प्रतिशत की कमी आई, जबकि हिंसक अपराध दर में 9.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 1936 में राष्ट्रीय अनुमान शुरू होने के बाद से दर में यह सबसे बड़ी वार्षिक गिरावट थी।

हत्या और गैर-लापरवाही से हुई हत्या की अनुमानित दर में 18.5 प्रतिशत की कमी आई, जो एफबीआई द्वारा दर्ज की गई सबसे

बड़ी वार्षिक गिरावट भी है। ऐसे अपराधों की संख्या में 18.1 प्रतिशत की कमी आई।

हत्या की दर प्रति 1,00,000 लोगों पर 4.1 थी। यह दर 1955 और 1956 में दर्ज की गई दरों के बराबर थी, जिससे यह राष्ट्रीय अनुमान शुरू होने के बाद से संयुक्त रूप से सबसे कम दर बन गई।

एफबीआई का अनुमान है कि 2025 में पूरे देश में 1,119,768 हिंसक अपराध हुए। यह प्रति 1,00,000 लोगों पर 327.6 अपराध थे, जो 2024 में 362.9 थे।

लूटपाट में 18.5 प्रतिशत की कमी आई और अनुमानित अपराधों की संख्या 168,927 रही। रेप के मामलों में 7.6 प्रतिशत की कमी के साथ इनकी संख्या 123,332 हो गई, जबकि गंभीर हमले के मामलों में 7.2 प्रतिशत की कमी आई और इनकी संख्या 813,424 रही।

कानून लागू करने वाली एजेंसियों को रिपोर्ट किए गए हिंसक अपराधों में गंभीर मारपीट के मामले 72.6 प्रतिशत थे। लूटपाट 15.1 प्रतिशत, रेप 11 प्रतिशत और हत्या 1.3 प्रतिशत थी।

अमेरिका ने आईसीसी प्रमुख पर लगाए प्रतिबंध लगाए, व्यापक अभियान चलाने का लिया संकल्प

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के प्रेसिडेंट और एक सीनियर ट्रायल लॉयर पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इससे ट्रम्प प्रशासन का इस कोर्ट के खिलाफ अभियान और बढ़ गया है। कोर्ट के कामकाज को रोकने के लिए और कदम उठाने की धमकी भी दी गई है।

सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने कहा कि जापान की आईसीसी प्रेसिडेंट टोमोको अकाने और सेनेगल के सीनियर ट्रायल लॉयर अब्दौलाये सेये को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इस ऑर्डर में कोर्ट के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की अनुमति दी गई है।

रुबियो ने इन दोनों अधिकारियों पर उन देशों के अधिकारियों के खिलाफ आईसीसी की कार्रवाई में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया, जो कोर्ट के अधिकार क्षेत्र

को मान्यता नहीं देते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, 'ये लोग आईसीसी की उन कोशिशों में सीधे तौर पर शामिल रहे हैं, जिनमें उन अधिकारियों की जांच, गिरफ्तारी, हिरासत या उन पर मुकदमा चलाने की कार्रवाई की गई, जिनकी सरकारों ने आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को मंजूरी नहीं दी है।'

स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, ये प्रतिबंध एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14203 की धारा 1(ए)(2)(ए) के तहत लगाए गए हैं। इस ऑर्डर का शीर्षक है 'इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाना।' इस घोषणा से आईसीसी के साथ वॉशिंगटन के टकराव में तेजी आई है। प्रशासन ने इस ट्रिब्यूनल को अमेरिका की संप्रभुता के लिए खतरा बताया है और दूसरे देशों से अपना आर्थिक और राजनीतिक समर्थन वापस लेने की अपील की है। रुबियो ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन का रुख साफ रहा है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) एक भ्रष्ट और बुरी तरह से राजनीतिक रंग में रंगी हुई अंतरराष्ट्रीय अदालत है, जिसने दुर्भावनापूर्ण तरीके से अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया है और अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है। हम देश की संप्रभुता पर इसके हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे।' रुबियो ने कहा कि ये कदम उस कूटनीतिक अभियान का हिस्सा हैं, जिसे प्रशासन ने पिछले महीने शुरू किया था, ताकि आईसीसी द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के तौर पर देखे जाने वाले मामलों को चुनौती दी जा सके।

दूसरों की मदद करना पहले से अधिक खतरनाक, हमें मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए खड़े होने की जरूरत : एंटोनियो गुटेरेस

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। पूरा विश्व बुधवार को 'विश्व मानवतावादी दिवस' मना रहा है। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए खड़े होने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानवतावादी कार्यकर्ताओं पर हमले गैर-कानूनी हैं। हमें उनके लिए खड़ा होना होगा और मानवता के लिए कदम उठाने होंगे।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने एक वीडियो संदेश में कहा, 'विश्व मानवतावादी दिवस पर हम उन समर्पित लोगों का सम्मान करते हैं, जो जरूरतमंद लाखों लोगों तक जीवन बचाने वाली मदद पहुंचाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'साथ ही, हम एक भयावह स्थिति का भी सामना कर रहे हैं। दूसरों की सेवा करना पहले से कहीं अधिक खतरनाक हो गया है। पिछले तीन सालों में एक हजार से अधिक मानवतावादी कार्यकर्ताओं की जान गई है। इनमें से अधिकतर स्थानीय कर्मचारी थे, जो अपने ही समुदायों की मदद कर रहे थे।' एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अनगिनत लोग गोलीबारी, गोलाबारी, बमबारी, अपहरण या बलात्कार जैसी घटनाओं से बाल-बाल बचे।

स्कूलों और अस्पतालों पर हमले हो रहे हैं, और हथियारों से लैस ड्रोन जैसे युद्ध के नए साधन नए खतरे पैदा कर रहे हैं। साथ ही, इस स्थिति से भरोसा भी कम हो रहा है। मानवतावादी कार्यों के लिए मिलने वाली फंडिंग में कटौती की जा रही है और मदद पहुंचाने के रास्तों पर रोक लगाई जा रही है। हम देखते हैं कि मदद पहुंचाने वाले काफिलों को रोका जाता है, मदद करने वाले कार्यकर्ताओं को धमकाया जाता है, गिरफ्तार किया जाता है और हिरासत में लिया जाता है।

वित्त मंत्री सीतारमण के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल चौथे आईएसएमआर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर के लिए हुआ रवाना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण भारत और सिंगापुर के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में भाग लेने के लिए बुधवार को सिंगापुर रवाना हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, निर्मला सीतारमण एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल हैं।

वर्ष 2022 में स्थापित भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन दोनों देशों के बीच एक उच्चस्तरीय आर्थिक तंत्र है, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग की समीक्षा करना और साझेदारी के नए क्षेत्रों की पहचान करना है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस बार का सम्मेलन छह प्रमुख क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा

करेगा, जिनमें उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य एवं औषधि, कौशल विकास और सतत विकास शामिल हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उभरते अवसरों पर भी चर्चा की जाएगी। आईएसएमआर दोनों देशों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का आकलन कर सकते हैं और आर्थिक भागीदारी को और गहरा करने के उपायों पर विचार कर सकते हैं। भारत और सिंगापुर के बीच निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, तकनीकी सहयोग, वित्तीय सेवाओं और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में पहले से मजबूत संबंध हैं, जिन्हें और विस्तार देने पर इस बैठक में विशेष ध्यान रहने की उम्मीद है। इस बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर सम्मेलन से पहले ही मंगलवार को सिंगापुर पहुंच चुके थे। भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के लिए विदेश मंत्री का सिंगापुर आगमन दोनों देशों के मजबूत संबंधों का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, आईएसएमआर भारत और सिंगापुर के बीच पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

कलेक्टर के निर्देश बेअसर, सड़कों पर मवेशियों का कब्जा

मवेशियों की झुंड से राहगीरों को दुर्घटना की आशंका

विश्व केसरी

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। कबीरधाम जिले में प्रशासनिक निर्देशों के पालन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या को नियंत्रित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद जिले के प्रमुख मार्गों पर हालात सुधरते नजर नहीं आ रहे हैं। मवेशियों के झुंड खुलेआम सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

ताजा मामला राजनांदगांव रोड पर मैनपुरी के करीब का है, जहां मवेशियों का झुंड सड़क पर ही डेरा जमाए नजर आया। सड़क पर बेखौफ घूमते पशुओं को देखकर ऐसा लगता है कि मानो उन्होंने सड़क को ही अपना आशियाना बना लिया हो। सवाल यह है कि जब कलेक्टर के निर्देश जारी हो चुके हैं तो जिम्मेदार विभाग उन निर्देशों को जमीन पर उतारने में आखिर नाकाम क्यों हैं।

कुछ दिन पूर्व भागुटोला के पास सड़क दुर्घटना में कुछ मवेशियों की मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया था। घटना से नाराज स्थानीय नागरिकों ने करीब पांच घंटे तक चक्काजाम किया था। इसके चलते आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उस घटना के बाद प्रशासन से उम्मीद थी कि सड़कों पर मवेशियों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, लेकिन ताजा तस्वीरें व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं।

आदेश जारी होते हैं, लेकिन पालन कौन करवाएगा

मवेशियों के सड़कों पर खुलेआम घूमने का मामला कोई नया नहीं है। बार-बार घटनाएं सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अमला प्रभावी कार्रवाई करने में असफल दिखाई दे रहा है। यदि किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जा रहा है तो यह प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर विफलता मानी जाएगी। जिले में केवल मवेशियों का मामला ही नहीं है। पूर्व में कलेक्टर द्वारा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, लेकिन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इसी तरह नगर पालिका के सामने निर्माणाधीन चौपाटी को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन काम की गति को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नजर नहीं आती।

कागजों में निर्देश, सड़कों पर पुरानी तस्वीर

प्रशासनिक व्यवस्था में निर्देश जारी करना अपनी जगह है, लेकिन उन निर्देशों का पालन करवाना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यदि अधिकारी आदेश जारी करते रहें और जिम्मेदार विभाग उसे अमल में न लाएं तो ऐसे निर्देश महज कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाते हैं। कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी यह सवाल खड़ा कर रही है कि जिम्मेदारी तय करने और निगरानी की व्यवस्था आखिर कहां है। अब जरूरत नए निर्देश जारी करने की नहीं, बल्कि पुराने निर्देशों के पालन की समीक्षा कर लापरवाही बरतने वालों पर जवाबदेही तय करने की है।

ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : राजस्व मंत्री वर्मा

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम संस्कार और अंतिम क्रियाकर्म के दौरान ग्रामीणों को होने वाली असुविधाओं को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार एवं सिमगा विकासखंडों के 17 विभिन्न ग्रामों में 97.92 लाख रुपए (5.76 लाख रूपए प्रति ग्राम) के मुक्तिधाम में शेड सह प्रतीक्षालय निर्माण कार्यों को अपनी स्वीकृति दे दी है। स्वीकृत यह सभी विकास कार्य ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करेंगे।

इन ग्राम पंचायतों व गांवों को मिलेगा सीधा लाभ-राजस्व मंत्री द्वारा 5.76 लाख रूपए प्रति ग्राम अनुसार स्वीकृत सूची में सिमगा तथा बलौदाबाजार विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में मुक्तिधाम शेड सह प्रतीक्षालय का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें सिमगा विकासखंड के बिटकुली, बासीन (खैरवारी), धोबनीडीह (बुडगहन) एवं अमेरी (कसहीडीह) शामिल है।इसी तरह बलौदाबाजार विकासखंड के ढनढनी (खैरवारडीह), करमनडीह, मगरचबा (खैरघटा), लिमाही (गोड़खपरी), भरुवाडीह (पौसरी/चांपा एवं ढाबाडीह), भाठागांव-स, रसेड़ा (रसेड़ा), शुक्लाभाठा (सोनपुर), चौरटी (चौरटी एवं अचानकपुर), ढाबाडीह, अचनाकपुर, झोंका तथा सेमराडीह शामिल है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास और हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया कार्यकर्ताओं से संवाद

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को 'सहयोग केंद्र' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर आवेदनों पर सार्थक व समाधानकारी पहल की। सहयोग केंद्र में 100 से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान 40 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री चौधरी ने आवेदन के तत्काल निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को इन आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने विशेष रूप से मौजूद रहे।

44 लाख की चोरी की साजिश, 22.6 किलो चांदी समेत तीन गिरफ्तार

विश्व केसरी

खैरागढ़ (शिल्पी विश्वास)। सराफा दुकान का शटर तोड़कर चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में साइबर सेल और थाना छुईखदान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22 किलो 600 ग्राम चांदी, 3 ग्राम सोना और घटना में प्रयुक्त होंडा एक्टिवा समेत करीब 44 लाख 75 हजार रुपये का माल बरामद किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार छुईखदान के जैन मोहल्ला निवासी शांति लाल जैन ने 14 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात 2 से 4 बजे के बीच दुकान का शटर तोड़कर 20 से 25 किलो चांदी के आभूषण चोरी किए गए। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महेन्द्र साहू तक पुलिस पहुंची। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महेन्द्र दुकान पर सामान लेने गया था, जहां उसने शटर में खराबी की बात सुनी। इसी जानकारी के आधार पर उसने नागपुर जाकर अपने दो साथियों अक्षय गुरूवे और अनिकेत मेश्राम के साथ चोरी की साजिश रची। तीनों ने सीसीटीवी के तार काटकर वारदात को अंजाम दिया और चोरी का माल नवागांव के तालाब में छिपा दिया। पुलिस ने निशानदेही पर माल बरामद कर दोनों आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी पहले चोरी और मारपीट जैसे अपराधों में शामिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल से मिले इंटर्न डॉक्टर, आंदोलन स्थगित करने का निर्णय

विश्व केसरी

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टरों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की। इस दौरान इंटर्न डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा के बाद प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार पर विश्वास जताते हुए अपना आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया, जिस पर सभी ने संतोष व्यक्त किया।

स्टाइपेंड वृद्धि पर आगे बढ़ी प्रक्रिया

चर्चा में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ड्रूरू-रूस्ह छत्तीसगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव और संबंधित प्रकरण पर पहल करते हुए इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि से जुड़ी आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बताया गया कि इंटर्न डॉक्टरों की मांगों पर इसी माह आवश्यक एवं सकारात्मक निर्णय लेने के लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ाई जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी विषयों के प्रति संवेदनशील है और इंटर्न डॉक्टरों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महिला मंडली अघरिया समाज ने मनाया सावन महोत्सव

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। सावन मास की पावन और भक्तिमय बेला में बसना स्थित गायत्री माता मंदिर में सावन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन अघरिया समाज की महिलाओं के विशेष सहयोग एवं सहभागिता से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक रहा। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा, आस्था और विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से मंदिर परिसर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। कार्यक्रम में महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय अघरिया समाज की अध्यक्ष उषा पटेल ने की। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल सहित आयोजन की संयोजक एवं समाज सेविका अनिता चौधरी मंच में उपस्थिति रही। अतिथियों ने सावन महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अघरिया महिला मंडल की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी एकता, संस्कार और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना की संपूर्ण जिम्मेदारी अघरिया महिला मंडल की संयोजक अनीता चौधरी के नेतृत्व में संपन्न हुई। उन्होंने पूरे आयोजन को विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रुद्राभिषेक में अनेक श्रद्धालुओं ने यजमान के रूप में सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इनमें सीमा एवं वीरेंद्र चौधरी, सुरुज एवं सुशील नायक, अनिता एवं अविनाश पटेल, सुशीला एवं वासुदेव नायक, जमुना एवं कामता पटेल, कमल एवं रोहित दास नायक, मीना एवं अशोक नायक, ललिता एवं शोभाराम पटेल तथा मंजू एवं दिलीप पटेल ने यजमान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सावन महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में श्रीमती ललिता पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं पार्थिव शिवलिंग निर्माण प्रतियोगिता में दीपिका पटेल विजयी रहीं। प्रतिभागियों की कलात्मकता, धार्मिक भावना और रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया।

इसी क्रम में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में सुरेंद्री पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से सावन के उल्लास, भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जीवंत कर दिया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि आज महिलाएं धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

महान संत कवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शासकीय प्राथमिक शाला केवतरा में को महाकवि संत गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती मनाई गई। उनके जीवन से बच्चों को परिचित कराया गया। साथ ही साथ बाल्य काल से लेकर महाकाव्य रामचरितमानस तक की रचना की कथा बच्चों को बताई गई।

उनके प्रमुख दोहों का वाचन शिक्षकों द्वारा किया गया और एक सरस महाकाव्य रामायण जो आज दुनिया में सरस एवं सरल जन जन में लोकप्रिय और सहज उपलब्ध महाकाव्य है, उस महाकाव्य की रचना का रहस्य और उसके चौपाइयों के रहस्य को बच्चों को समझाया एवं बताया गया। शिक्षिका वर्षा जैन द्वारा आकर्षक चित्र बनाया गया एवम सभी शिक्षकों में अपने विचार व्यक्त किए तथा मानस की कुछ चौपाई के अर्थ बच्चो को बताए गए। जैसे मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी। इस चौपाई का अर्थ बताते हुई शिक्षिका वर्षा जैन कहती है कि जो मंगल (कल्याण) करने वाले हैं और अमंगल (दुख) को दूर करने वाले हैं, वे दशरथ जी के आंगन में विहार करने वाले श्रीराम मुझ पर कृपा करें। बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई॥ इनका अर्थ बताते हुए शिक्षिका वर्षा जैन कहती है कि अच्छे लोगों (संतों) के सत्संग के बिना ज्ञान और विवेक नहीं मिलता। और यह सत्संग भगवान श्रीराम की कृपा के बिना आसानी से नहीं मिलता। तथा बयरू न कर काहू सन कोई, रामप्रताप विषमता खोई। श्रीराम के प्रभाव से जीवों की विषमता (भेदभाव और शत्रुता) मिट जाती है, और किसी से किसी का बैर नहीं रहता। इस प्रकार बच्चो को रामायण के दोहों से परिचित कराया गया।

स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। 'स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ' अभियान को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, बलौदाबाजार में ब्लॉक स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के जिला प्रभारी सकलेन कामदार एवं जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा धृतलहरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक का आयोजन शहर कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार के अध्यक्ष प्रवीण सेन के नेतृत्व में किया गया।

बैठक में अभियान को शहर के प्रत्येक वार्ड और बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े इस अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करते हुए आम उपभोक्ताओं से सीधे संवाद किया जाएगा।

बैठक के बाद जिला प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा धृतलहरे एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन सहित कांग्रेसजनों ने वार्ड क्रमांक 15 में घर-घर पहुंचकर नागरिकों से संपर्क किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी साझा करते हुए नागरिकों के फॉर्म भरवाए गए और उनकी समस्याओं एवं चिंताओं को सुना गया।

जिला प्रभारी सकलेन कामदार ने कहा कि अभियान को केवल बैठकों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि प्रत्येक वार्ड में घर-घर तक पहुंचकर आम उपभोक्ताओं से संवाद किया जाएगा। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का आह्वान किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने बताया कि शहर के सभी 21 वार्डों में अभियान को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता नागरिकों से संपर्क कर फॉर्म भरवाने के साथ आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

इस अवसर पर पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश यदु, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष परमेश्वर यदु, ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक साहू, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद केसरवानी, जिला कांग्रेस महामंत्री लखेश साहू, शहर कांग्रेस महामंत्री नीरज बांधे, मोहन साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, गोल्डी मारईया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पद्मेश्वरी साहू, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संतोष तिवारी, पार्षदगण डिगेश्वरी, रविंद्र नामदेव, सलमान शेख, सुरेश धृतलहरे, सुमन कोसले, सूर्यकांत वर्मा, पवन दास मानिकपुरी, कृष्ण टंडन, जय सिंह ठाकुर, शैलेंद्र ध्रुव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

मां वीणा वीणापाणि संगीत विद्यालय में गूंजे देशभक्ति के गीत

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। बच्चों में देश के प्रति प्रेम,सांस्कृतिक मूल्यों की समझऔर राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करने हेतु मां वीणापाणि संगीत विद्यालय बस्ती सरायपाली (सरायपाली) में उत्साह के साथ देशभक्ति गीतों काआयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।संगीत छात्रों ने अपने गीतों की प्रस्तुतियों के माध्यम से शहीदों की कुर्बानियों को याद दिलाते हुए, देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों के प्रति कृतज्ञता के भाव व्यक्त व्यक्त किए। संगीत छात्रों ने ए मेरे वतन के लोगों,दिल दिया है जान भी देंगे जैसे अनेक मनमोहक गीतों को अपनी सुरीलीआवाज में प्रस्तुत किये। हारमोनियम और तबले की बेहतरीन जुगलबंदी ने समां बांध दिया। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल देश प्रेम के रंगों में रंग गया।

एआई से प्रभावित क्षेत्रों में युवा रोजगार में भारी गिरावट, जनरेटिव एआई के आने के बाद रोजगार पर बढ़ा दबावः बीओके

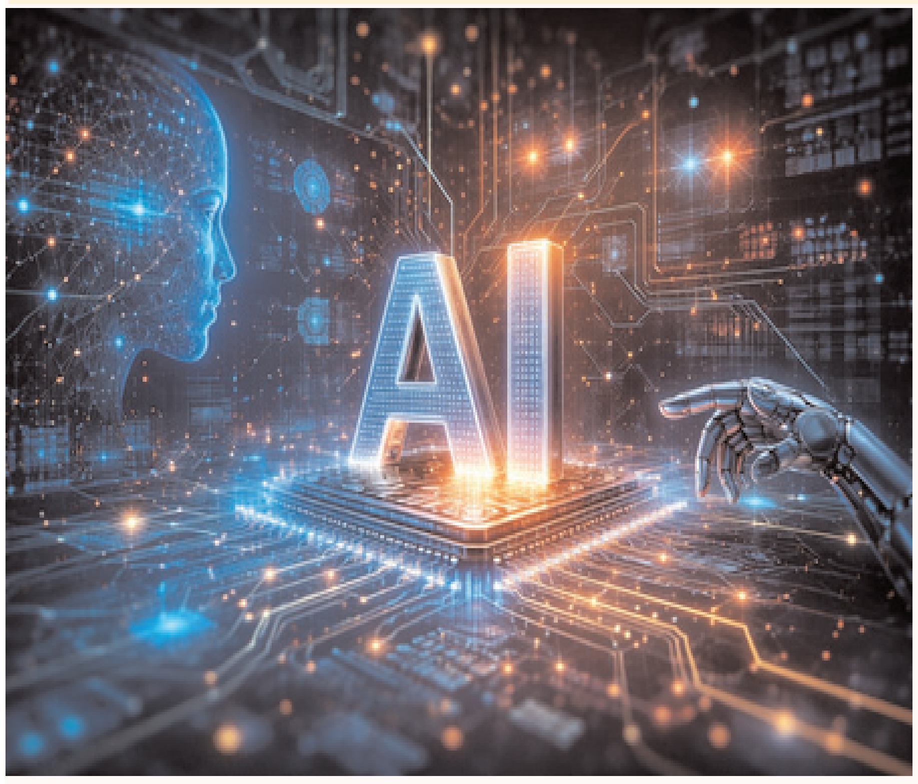

विश्व केसरी

सोल। सेंट्रल बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग का असर रोजगार बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। जनरेटिव एआई तकनीकों, विशेषकर चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट्स के आने के बाद एआई से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के रोजगार में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

बैंक ऑफ कोरिया (बीओके) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2022 से जून 2026 के बीच 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लोगों द्वारा किए जा रहे कुल रोजगारों की संख्या में 2.85 लाख की कमी आई, जिसमें सबसे बड़ी गिरावट उन क्षेत्रों में देखी गई जो एआई के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील माने जाते हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल घटे रोजगारों में से 2.68 लाख नौकरियां, यानी लगभग 94 प्रतिशत, एआई-प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित थीं, जिनमें आईटी सेवाएं, प्रकाशन, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं।

इसके विपरीत, 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के रोजगार में वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि में इस आयु वर्ग के रोजगार में 2.30 लाख की बढ़ोतरी हुई, जिसमें से 1.73 लाख नौकरियां एआई प्रभावित क्षेत्रों में ही बढ़ीं। इससे संकेत मिलता है कि एआई के दौर में अनुभव और विशेषज्ञता वाले कर्मचारियों की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट ने वर्ष 2022 को अध्ययन का आधार वर्ष माना है, क्योंकि इसी वर्ष के अंत में चैटजीपीटी लॉन्च हुआ था और उसके बाद जनरेटिव एआई तकनीकों का उपयोग दुनिया भर में तेजी से बढ़ा।

क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक गिरावट आईटी सेवाओं में देखी गई, जहां युवाओं का रोजगार 31.4 प्रतिशत घट गया। प्रकाशन क्षेत्र, जिसमें सॉफ्टवेयर और वेब डिजाइन से जुड़े पेशे भी शामिल हैं, वहां रोजगार में 27.4 प्रतिशत की कमी आई।

इसी प्रकार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग क्षेत्र में युवाओं का रोजगार 16.6 प्रतिशत और प्रोफेशनल सर्विसेज क्षेत्र में 11.6 प्रतिशत घटा। ये वे क्षेत्र हैं जहां एआई-आधारित ऑटोमेशन और कंटेंट जनरेशन टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ा है।

शिक्षा के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े भी युवाओं की चुनौतियों को उजागर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों की औसत बेरोजगारी दर 8.2 प्रतिशत थी, जबकि माध्यमिक शिक्षा या जूनियर कॉलेज स्तर तक पढ़े युवाओं की बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत थी।

लेकिन 2022 के बाद यह अंतर बढ़ गया। उच्च शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत रही, जबकि कम शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं में यह 5.4 प्रतिशत रही। इस प्रकार दोनों के बीच अंतर बढ़कर 1.6 प्रतिशत अंक हो गया।

बैंक ऑफ कोरिया ने कहा कि देश की लगातार घटती जनसंख्या भी युवाओं के रोजगार में बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। हालांकि एआई के आगमन ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है।

बीओके के शोध विभाग के शोधकर्ता ओह सैम-इल ने कहा, 'एआई युवा कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकता है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इन्हें एआई द्वारा प्रतिस्थापित भी किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा कि युवाओं की नौकरियों में कमी के लिए पूरी तरह एआई को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह निश्चित रूप से उस प्रवृत्ति को तेज कर रहा है जिसमें युवाओं के लिए पारंपरिक करियर सीढ़ी धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है।

पेट की चर्बी घटाने के साथ ही रीढ़ को लचीला बनाता है पश्चिमोत्तानासन

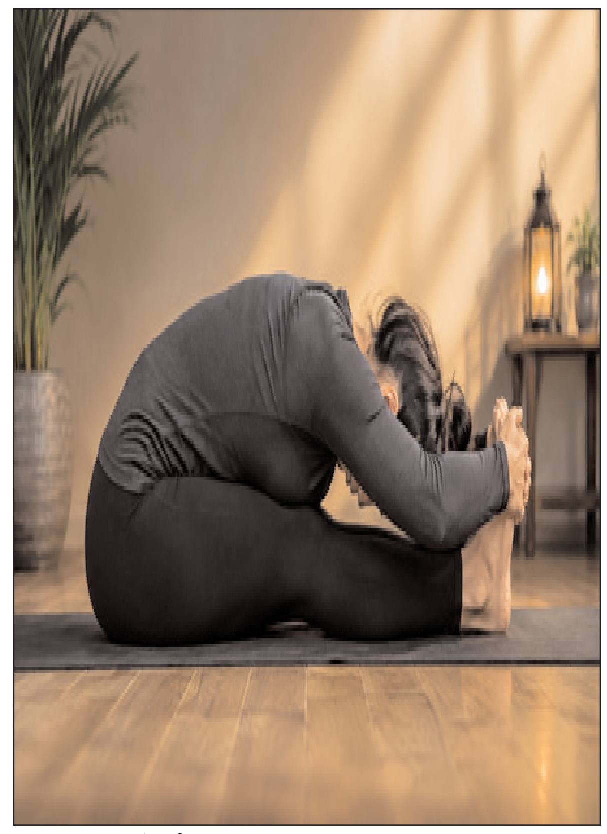

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्राचीन ग्रंथों में शरीर और मन की शुद्धि के लिए योग परंपरा का वर्णन मिलता है, उनमें पश्चिमोत्तानासन का विशेष स्थान है। यह आसन पूरे शरीर के पीछे वाले हिस्से यानी रीढ़, कमर और पैरों की मांसपेशियों को खींचकर लचीला बनाता है।

संस्कृत में 'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ खिंचाव होता है और आसन का अर्थ मुद्रा होता है। यानी यह आसन शरीर के पिछले हिस्से को गहराई से खींचता है।

इस आसन में हम बैठकर आगे की ओर झुकते हैं, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी, पेट के अंग और नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है। यह आसन हठ योग की 12 मूल आसनों में गिना जाता है। उनके अनुसार, यह आसन पीठ और पैरों को अच्छा खिंचाव देता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, पेट की चर्बी को भी कम करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन (बैठकर आगे झुकने वाला आसन) शरीर के पिछले हिस्से में तीव्र खिंचाव पैदा करता है। यह आसन पाचन अंगों को सक्रिय करता है, पेट की चर्बी घटाने में मदद करता है और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर लचीला बनता है, कुंडलिनी ऊर्जा जागृत होने में मदद मिलती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसे डायबिटीज, कब्ज और मानसिक तनाव दूर करने के लिए लाभकारी मानते हैं।

पश्चिमोत्तानासन करने का सबसे सही समय सुबह का माना गया है। अहले सुबह खाली पेट इस योगासन को करना सबसे अच्छा माना जाता है। यह शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान और तनाव मुक्त बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इस योगासन को शाम के समय भी खाने के 4-5 घंटे बाद किया जा सकता है लेकिन सुबह में इसे करना ज्यादा फायदेमंद बताया गया है। वहीं, शुरुआती समय में इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करने की सलाह दी गई है।

साथ ही, जिन्हें गंभीर पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या हर्निया की समस्या हो, वे इसे न करें। पेट की सर्जरी या गंभीर चोट होने पर भी इस आसन से बचें।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे

पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं, किसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं हैं।

नाक बंद होने या गले में खराश जैसी परेशानी में भाप लेना कुछ लोगों को आराम दे सकता है। इसी तरह गुनगुने नमक या हल्दी वाले पानी से गरारे करने से गले की परेशानी में राहत मिल सकती है। भाप लेते समय बहुत गर्म पानी से जलने से बचें, खासकर बच्चों के मामले में।

सांस और शरीर को सक्रिय रखने के लिए योग भी मददगार हो सकता है। भुजंगासन और गोमुखासन जैसे आसनों को अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। इनके साथ नाड़ी शोधन और भ्रामरी प्राणायाम भी किए जा सकते हैं। लेकिन अगर सांस लेने में ज्यादा परेशानी, लगातार खांसी, सीने में दर्द, तेज घरघराहट या सांस फूलने जैसी समस्या हो, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर न रहें और डॉक्टर से सलाह लें।

रियलमी पी4एस 5जीः स्पेसिफिकेशन से अनुभव की ओर से बढ़ते भारत में शानदार डिस्प्ले बनेगा स्मार्टफोन की पहचान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में स्मार्टफोन खरीदते समय वर्षों से उपभोक्ताओं का मुख्य ध्यान कैमरा, प्रोसेसर और डिजाइन पर रहा है, लेकिन अब यह बदल रहा है। फ्लिपकार्ट और काउंटरपॉइंट की स्मार्टफोन इनसाइट्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, कंटेंट की बढ़ती खपत और ऐप्स के भारी इस्तेमाल के कारण डिस्प्ले की गुणवत्ता स्मार्टफोन खरीदने के फैसले में तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है।

उपभोक्ता दिन का बड़ा हिस्सा स्मार्टफोन पर बिताते हैं, जिसमें ओटीटी स्ट्रीमिंग, मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग या वीडियो कॉल शामिल हैं। ऐसे में बैटरी लाइफ और परफॉर्मेंस के साथ डिस्प्ले भी स्मार्टफोन के कुल अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। खास बात यह है कि डिस्प्ले को अब एक अलग फीचर के तौर पर नहीं, बल्कि ओवरऑल परफॉर्मेंस के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है।

करीब 45 प्रतिशत उपभोक्ता चिपसेट को बेहतर डिस्प्ले फीचर्स, जैसे बेहतर रंग सटीकता और बेहद

तेज टच रिस्पॉन्स, से जोड़ते हैं। यह दिखाता है कि प्रोसेसिंग पावर और विजुअल व इंटरैक्टिव अनुभव की गुणवत्ता के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहा है।

इसके चलते खरीदार अब रिजॉल्यूशन, रिफ्रेश रेट, ब्राइटनेस और कलर एक्यूरेसी जैसी चीजों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, बजाय इसके कि डिस्प्ले को एक सामान्य फीचर मान लिया जाए। यह भारतीय उपभोक्ताओं के बीच एक बड़े बदलाव को दर्शाता हैं, जहां अपग्रेड का आधार सिर्फ स्पेसिफिकेशंस नहीं, बल्कि अनुभव बनता जा रहा है। अब परफॉर्मेंस का आकलन इस आधार पर भी हो रहा है कि स्मार्टफोन के अलग-अलग हार्डवेयर कितनी सहजता से एक साथ काम करते हैं।

गेमिंग, स्ट्रीमिंग और रोजमर्रा के स्मार्टफोन इस्तेमाल के लिए प्राथमिक इंटरफेस होने के कारण डिस्प्ले अब पूरे परफॉर्मेंस अनुभव का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है।

यह अनुभव-केंद्रित बदलाव रियलमी पी सीरीज के विकास में भी दिखाई देता है। यह सीरीज भारत के युवा और ऑनलाइन-केंद्रित स्मार्टफोन खरीदारों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो प्रीमियम लुक और स्मूथ रोजमर्रा की परफॉर्मेंस चाहते हैं, लेकिन पैसे की अच्छी वैल्यू भी चाहते हैं। ऐसे बाजार में जहां कीमत और ऑफर्स हर महीने यह बदल सकते हैं कि क्या चीज 'किफायती' महसूस होती है, रियलमी पी सीरीज ऐसे डिस्प्ले-केंद्रित अनुभव पर जोर देती है जिसे उपयोगकर्ता रोजमर्रा के इस्तेमाल में महसूस कर सकें, वो भी बिना बजट से ज्यादा खर्च किए।

रियलमी पी1 सीरीज ने साबित किया कि कीमत को बहुत ज्यादा बढ़ाए बिना परफॉर्मेंस और डिजाइन को साथ लाया जा सकता है। इसके बाद पी2 सीरीज ने बेहतर डिस्प्ले और बिल्ड क्वालिटी से जुड़े अपग्रेड के साथ स्तर को और ऊंचा किया।

डीआरसी में लगातार बढ़ रहा इबोला प्रकोप, पीड़ितों की संख्या 5,000 के पार

विश्व केसरी

किंशासा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला का प्रकोप अभी भी अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) बना हुआ है, क्योंकि इस महामारी पीड़ितों की संख्या 5,000 से ज्यादा हो गई है, नए इलाकों में पैर पसार रहा है और अधिकारियों को प्रायोगिक वैक्सीन और इलाज अपनाने के लिए मजबूर कर रही है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने एक आपातकालीन समिति की बैठक में कहा कि यह प्रकोप अब तक का दूसरा सबसे बड़ा इबोला प्रकोप है और यह पहले के सभी प्रकोपों ??की तुलना में तेजी से फैल रहा है। डब्ल्यूएचओ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक छह प्रांतों के 55 हेल्थ जोन में 5,021 लोगों के इबोला होने की पुष्टि हुई और 2,378 की मौत हो गई। यहां मृत्यु दर 47.4 प्रतिशत रहा।

बंडिबुग्यो इबोला वायरस के कारण फैली यह महामारी पूर्वी डीआरसी में 2018-2020 के इबोला प्रकोप से भी आगे निकल गई है, जो पहले देश का सबसे घातक प्रकोप था। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने सोमवार को कहा कि मौजूदा प्रकोप में हर 30 मिनट में लगभग एक व्यक्ति की मौत हो रही है और अगर इसके फैलने की रफ्तार को तुरंत नहीं रोका गया, तो इसके दुनिया भर में अब तक का सबसे घातक इबोला प्रकोप बनने का खतरा है।

टेड्रोस ने कहा, 'हमें साफ तौर पर कहना होगा: महामारी हमारे नियंत्रण से अभी बहुत दूर है। इसे बहुत बढ़त मिल गई थी, और हम अभी भी इसके पीछे भाग रहे हैं।'

सिंहुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएचओ की एक स्टेट्स रिपोर्ट में बताया गया है ।

अगर बाल रूखे और बेजान हैं, तो लगाएं मेथी के दाने से बना हेयर मास्क, हफ्ते भर में दिखेगा फर्क

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मेथी के दाने हमारी रसोई में बहुत आम हैं। इनका इस्तेमाल सब्जियों, दाल और दूसरी चीजों में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन यही छोटे-छोटे दाने बालों की देखभाल में भी काम आ सकते हैं। खासकर जब बाल रूखे, बेजान या कमजोर नजर आने लगें, तब मेथी से बना लेप एक समाधान हो सकता है। इसमें कुछ ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों और सिर की त्वचा के लिए मददगार होते हैं।

मेथी में प्रोटीन बेहतर मात्रा में पाया जाता है। इसके बीजों में प्रोटीन और कई अमीनो एसिड पाए जाते हैं। बालों का मुख्य ढांचा ही केराटिन नाम के प्रोटीन से बना होता है। इसलिए बालों की अच्छी सेहत के लिए शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिलना जरूरी है। मेथी खाने से मिलने वाला प्रोटीन शरीर के पोषण में मदद करता है। वहीं, मेथी का लेप बालों पर लगाने से बालों की सतह मुलायम और बेहतर महसूस होती है।

मेथी की एक खासियत यह भी है कि इसमें गैलेक्टोमैनन नाम का घुलनशील रेशा भी होता है। पानी में भिगोने के बाद मेथी के दाने चिपचिपे हो जाते हैं। यही चिपचिपापन मेथी के पेस्ट को बालों पर एक हल्की परत बनाने में मदद करता है। यह परत बालों में नमी को बनाए रखने में मदद कर सकती है। इसी वजह से मेथी का इस्तेमाल करने के बाद रूखे बाल ज्यादा मुलायम लगते हैं।

मेथी में आयरन, कैल्शियम, विटामिन और निकोटिनिक एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आयरन शरीर के लिए जरूरी है और इसकी कमी होने पर बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। लेकिन सिर पर मेथी का पेस्ट लगाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी नहीं होगी। इसके लिए डाइट में आयरन से भरपूर चीजों को शामिल करना पड़ेगा। अब बात करते हैं इसे इस्तेमाल करने के तरीके की। मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखना सबसे आसान तरीका है। सुबह पानी निकालकर दानों को पीस लें। इससे गाढ़ा और चिपचिपा लेप तैयार हो जाएगा।

फ्लू को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी, बीमारी में भूलकर भी न करें ये गलतियां

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मौसम बदलने के साथ सर्दी, खांसी और बुखार जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है फ्लू। यह एक तरह का वायरस से होने वाला संक्रमण है, जो नाक और गले के साथ-साथ फेफड़ों पर भी असर डालता है। कई बार फ्लू के लक्षण इतने सामान्य होते हैं कि लोग इसे मामूली सर्दी-जुकाम समझ लेते हैं और अपनी मर्जी से दवाएं लेने लगते हैं। यही छोटी-छोटी गलतियां कई बार बीमारी को बढ़ा सकती हैं।

फ्लू होने पर शरीर को वायरस से लड़ने के लिए आराम, पानी और अच्छे खाने की जरूरत होती है। ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

फ्लू में अचानक बुखार आ सकता है। इसके साथ खांसी, गले

में दर्द, सिरदर्द, शरीर में दर्द और बहुत ज्यादा थकान महसूस हो सकती है। कुछ लोगों को भूख भी कम लगती है। आम तौर पर कई लोग घर पर आराम करने से ठीक हो जाते हैं, लेकिन हर व्यक्ति की हालत एक जैसी नहीं होती। अगर बुखार बहुत ज्यादा हो, सांस लेने में परेशानी हो, सीने में दर्द हो, बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस हो या तबीयत लगातार बिगड़ती जाए तो डॉक्टर से सलाह लेनी जरूरी है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी बीमारी से परेशान लोगों को फ्लू में खास सावधानी रखनी चाहिए।

फ्लू के दौरान बुखार आने और पसीना निकलने से शरीर में पानी कम हो सकता है। बीमारी में कई लोगों को पानी पीने का मन कम करता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी हो सकती है और कमजोरी ज्यादा महसूस हो सकती है। इसलिए दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। सूप, नारियल पानी और दूसरे तरल पदार्थ भी लिए जा सकते हैं। अगर उल्टी या दस्त भी हो रहे हैं तो शरीर में पानी और नमक की कमी जल्दी हो सकती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। चाय और कॉफी को पानी का विकल्प न बनाएं। शरीर को सबसे ज्यादा जरूरत सामान्य पानी और दूसरे सही तरल पदार्थों की होती है।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप: ध्रुव-तनिषा ने मिक्स्ड डबल्स राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने बुधवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने कैंपेन की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में मकाओ के लियोंग इओक चोंग और एनजी वेंग ची को हराया। 15वीं सीड वाली भारतीय जोड़ी ने इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 21-11, 21-11 से जीत दर्ज की।

ध्रुव और तनिषा मिक्स्ड डबल्स इवेंट में भारत के बचे हुए प्रतिनिधि हैं। इससे पहले रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की जोड़ी को कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ 22-20, 19-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

आशिथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश भी तुर्की के एमरे सोनमेज और यासेमन बेकटास के खिलाफ करीबी मुकाबले के बाद 21-16, 29-30, 22-24 से हारकर बाहर हो गए।

ध्रुव और तनीषा, जो अपनी दूसरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप खेल रहे हैं, अब तीसरे राउंड में भारत की मिक्स्ड डबल्स उम्मीदों को आगे बढ़ाएंगे। यह जोड़ी पेरिस में 2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। तीसरे राउंड में ध्रुव और तनीषा का मुकाबला छठी सीड वाली चीनी जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से होगा।

तनीषा और ध्रुव इससे पहले 2023 ओडिशा मास्टर्स गोल्ड जीत चुके हैं और 2024 सैयद मोदी इंटरनेशनल में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। वे मई 2025 में वर्ल्ड नंबर 15 पर भी रहे। यह मिक्स्ड डबल्स जोड़ी के तौर पर उनकी सबसे ऊंची रैंकिंग है।

बाद में, महिला एकल में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु कनाडा की वेन यू झांग से खेलेंगी, जबकि उन्नति हुड्डा महिला एकल ड्रॉ में कनाडा की 13वीं सीड मिशेल ली से भिड़ेंगी।

लक्ष्य सेन पुरुष एकल राउंड ऑफ 32 में अमेरिका के गैरेट टैन से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का अगला मुकाबला श्रीलंका के डुमिंडू अबेविक्रमा से होगा।

पुरुष डबल्स जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकारुनन का सामना कोरिया के 15वीं सीड कांग मिन ह्युक और की डोंग जू से होगा।

इससे पहले, भारत की शीर्ष महिला डबल्स जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 16वीं सीड एलिसन ली और लॉरेन लैम को हराया।

गाले टेस्ट: भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराया, मानव सुथार ने झटके 6 विकेट

विश्व केसरी

गाले। भारतीय क्रिकेट टीम ने गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रन से हरा दिया। मानव सुथार की घातक गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने श्रीलंका को पांचवें दिन दूसरे सेशन में दूसरी पारी में 206 रन पर समेट कर गाले टेस्ट अपने नाम किया। जीत के साथ 2 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से आगे हो गई है।

श्रीलंका को चौथी पारी में जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य मिला था। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही थी। श्रीलंका ने अपने शुरुआती 4 विकेट मात्र 47 रन पर गंवा दिए थे। यही वह समय था, जब टीम की हार तय हो गई थी। हालांकि, कप्तान धनंजय डी सिल्वा (59) और पहली पारी के शतकवीर सोनल दिनुशा ने 84 रन की पारी खेलकर टीम की हार कुछ देर के लिए टाली, लेकिन उनका ये प्रयास काफी नहीं था। दोनों के आउट होने के साथ ही श्रीलंका की पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई और 165 रन के बड़े अंतर से मैच गंवा बैठी।

युवा गेंदबाज मानव सुथार भारत के लिए दूसरी पारी के हीरो रहे। सुथार ने 23.4 ओवर में 55 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 और सिराज-जडेजा ने 1-1 विकेट लिए। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पड्डिकल के 167, केएल राहुल के 82 और ध्रुव जुरेल के 51 रनों की मदद से 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका पहली पारी में सोनल दिनुशा के 100 और निरोशन डिकवेला की 80 रनों की पारी के बावजूद 284 पर सिमट गई थी और 178 रनों से पिछड़ी थी।

भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई थी। ऋषभ पंत ने 66 रन बनाए थे। 178 रन की बढ़त के आधार पर भारत ने श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया था।

सीरीज का दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

शोरिफुल इस्लाम फिट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने को तैयार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीतना चाहते हैं और इस वजह से प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लिए हमेशा तैयार हैं।

शोरिफुल इस्लाम हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए पहले टेस्ट में बांग्लादेश की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। बांग्लादेश ने यह टेस्ट 9 विकेट से जीता था। द डेली स्टार के हवाले से, शोरिफुल ने बुधवार को मैके में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं हमेशा तैयार रहता हूं। देखते हैं मेरी किस्मत में क्या है। उम्मीद है कि मैं मैच खेल पाऊंगा।

शोरिफुल को बांग्लादेश के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुना गया। पहले टेस्ट के लिए वह फिट नहीं थे। दूसरे मैच के लिए उन्हें फिट घोषित किया गया है।

बांग्लादेश को डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के समय टीम के साथ मौजूद शोरिफुल ने कहा कि वह अपने टीम के साथियों के साथ यह पल साझा करके बहुत खुश हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी जीत का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। कम से कम मैं तस्वीरों में तो आ गया (हंसते हुए), भले ही मैं टीम में नहीं था।

'मुझे बस अपना सब कुछ झोंकना होगा,' प्री-क्वार्टर फाइनल में वांग से भिड़ंत के लिए तैयार सिंधु

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के विमेंस सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कनाडा की झांग वेन यू के खिलाफ 21-16, 21-17 से जीत हासिल की।'अंतिम 16' में सिंधु का सामना चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वांग जी यी से होगा, जो मलेशिया की करुवाथेवन लेतशाना के खिलाफ 21-16, 21-9 से जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंची हैं।

सिंधु अगले मुकाबले में चीनी खिलाड़ी के विरुद्ध पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी, जिनके खिलाफ अब तक कोई भी मैच नहीं गंवाया है। सिंधु इस मुकाबले में अपना शत प्रतिशत झोंकने उतरेंगी। जीत के बाद सिंधु ने पत्रकारों से कहा, 'इस जीत से मुझे आत्मविश्वास मिलता है। मैंने वांग झियी के साथ कई बार खेला है, और कल फिर से उनके खिलाफ खेलते हुए... मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं। मुझे लंबे मुकाबलों के लिए तैयार रहना होगा।'

'यह आसान नहीं होगा, या आप आसानी से प्वाइंट मिलने की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि जब आप टॉप-रैंक वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हैं, तो आपको हर स्थिति के लिए तैयार रहना पड़ता है। कल भी वैसा ही खेल होगा, मुझे बस अपना सब कुछ झोंक देना है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, अपना शत प्रतिशत देना है। आखिर में यही मायने रखता है, क्योंकि जब आप कोर्ट पर उतरते हैं, तो आपको उसी हिसाब से खुद को बदलना पड़ता है, क्योंकि यह कोई नई बात नहीं है और मैं पहली बार उनके खिलाफ नहीं खेल रही हूं। चूंकि, हम एक-दूसरे के खेल को जानते हैं, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम जरूरत के हिसाब से बदलाव करते रहें।'

सिंधु मानती हैं कि इस मुकाबले में उनसे कुछ गलतियां हुईं, लेकिन घरेलू दर्शकों के बीच वह अगले मैच में और भी ज्यादा जोश से उतरेंगी। उन्होंने कहा, 'शायद यह और भी बेहतर हो सकता था, क्योंकि मेरी तरफ से कुछ ऐसी गलतियां हुईं जो नहीं होनी चाहिए थीं। मुझे उन पर काबू पाना चाहिए था। लेकिन हां, घरेलू दर्शकों का समर्थन अद्भुत और शानदार था। मैं वहां मौजूद दर्शकों का शुक्रिया अदा करती हूं, और उम्मीद करती हूं कि कल भी वे मेरा समर्थन करने के लिए वहां मौजूद रहेंगे। मुझे उम्मीद है कि उस सपोर्ट से मैं अपना बेस्ट दे पाऊंगी और जीत हासिल कर पाऊंगी।'

ओडिशा टी20 लीग राज्य के युवाओं के सीखने और आगे बढ़ने का बड़ा मंच: संजय बेहरा

विश्व केसरी

कटक । ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन (ओसीए) के सचिव संजय बेहरा ने कहा है कि ओडिशा टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रतियोगी मंच है। युवा खिलाड़ी इस मंच के जरिए अनुभवी क्रिकेटरों से सीखते हैं और भविष्य के लिए खुद को तैयार करते हैं।

बेहरा ने कहा, 'ओडिशा टी20 लीग राज्य में क्रिकेट की संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक जरूरी कदम है। यह हमारे युवा खिलाड़ियों को एक प्रतियोगी मंच देगा, जहां वे खुद को परख सकते हैं, अनुभवी क्रिकेटरों से सीख सकते हैं और अपने करियर में अगला कदम उठाने के लिए जरूरी आत्मविश्वास हासिल कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के साथ, लीग राज्य के अलग-अलग तरह की क्रिकेट प्रतिभाओं को साथ लाने में भी मदद करेगी। हम कुछ रोमांचक मुकाबलों और खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा फोकस टीमों को सही सुविधाएं देने और पूरे टूर्नामेंट में एक पेशेवर माहौल बनाने पर होगा।'

बेहरा ने कहा, 'बाराबती स्टेडियम का राज्य के क्रिकेट प्रेमियों के साथ एक मजबूत कनेक्शन रहा है और इस सीजन को खास बनाने में फैन्स का समर्थन बहुत जरूरी होगा। हमें उम्मीद है कि लीग उन्हें जश्न मनाने के कई कारण देगी। हम सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं और एक सफल और मनोरंजक सीजन की उम्मीद करते हैं।'

ओडिशा टी20 लीग 2026 का आयोजन 18 सितंबर से कटक के मशहूर बाराबती स्टेडियम में होगा। लीग के सभी मैच इसी स्टेडियम में होंगे। यहां पूर्व में भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। यह सीजन ओडिशा की समृद्ध क्रिकेट संस्कृति को और मजबूत करेगा। लीग में कटक, भुवनेश्वर, कंदुझार, पुरी, राउरकेला और संबलपुर सहित राज्य के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइजी शामिल हैं।

लीग निश्चित रूप से राज्य के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने का एक बड़ा मंच देगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की महिला टीम का ऐलान

विश्व केसरी

जोहान्सबर्ग। जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका क्रिकेट ने महिला टीम का ऐलान कर दिया है। युवा तेज गेंदबाज कैटलिन विंगार्ड, नथाबिसेंग निनी और ऑफ-स्पिनर लुयांडा न्जुजा को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

नियमित कप्तान लौरा वोल्वार्ट पांच मैचों की इस सीरीज में टीम की कमान संभालेंगी। यह सीरीज 11 से 19 सितंबर तक बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेली जाएगी। कई सीनियर खिलाड़ी ग्लोबल फ्रेंचाइजी लीग और घरेलू प्रतियोगिताओं में व्यस्त हैं, इसलिए चयनकर्ताओं ने बेंच स्ट्रेंथ और अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को आजमाने का फैसला किया है।

15 सदस्यीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो हाल ही में इंग्लैंड में हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाए थे। इनमें मौजूदा घरेलू टी20 'प्लेयर ऑफ द ईयर' फे टुनिक्लिफ भी शामिल हैं, जिन्हें एनेके बॉश, अयांडा हलुबी, एलिज-मारी मार्क्स, सेशनी नायडू, नोंडुमिसो शंगासे और मियाने स्मिट के साथ टीम में जगह मिली है।

टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज सिनालो जाफ्टा और काराबो मेसो के साथ-साथ ऑलराउंडर कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन के रूप में अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। हेड कोच मांडला माशिम्बी ने इस ऐतिहासिक दौरे के महत्व पर जोर देते हुए इसे भविष्य के ग्लोबल इवेंट्स के लिए एक अहम कदम बताया।

उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे का दौरा कई वजहों से रोमांचक है। सबसे पहली और अहम बात यह है कि हम एक टीम के तौर पर अपने अफ्रीकी पड़ोसी देश के दौरे की तैयारी कर रहे हैं, और इसका हिस्सा बनना बहुत खास है। मैं अपने देश में हमारा स्वागत करने के लिए जिम्बाब्वे का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।'

युवाओं पर केंद्रित चयन नीति के बारे में बताते हुए माशिम्बी ने कहा कि स्थापित सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका बना है। 'इन टी20 इंटरनेशनल मैचों को लेकर उत्साहित होने की एक और वजह है, वह युवा टीम है जिसे हम बुलावायो ले जा रहे हैं।

सिनसिनाटी ओपन: सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

विश्व केसरी

सिनसिनाटी। आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है।

सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीवा नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की।

एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था।

2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415